Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 204 | रविवार, 02 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

विवेका स्मारक उद्घाटन पर बोले पीएम मोदी

विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर युवा बढ़ा रहे राष्ट्र का गौरव

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में कहा कि मैसूरु भारत की शाश्वत सांस्कृतिक पहचान रहा है, शहर ने उस परंपरा को संजोकर रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, संदेश और आदर्शों को समर्पित 'स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र - विवेका स्मारक' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति से विभूति का निर्माण एकाएक नहीं होता। इसके लिए हमें जीवन की अनगिनत परीक्षाएं देनी होती है, साधनाएं करनी होती हैं, तप करना होता है, खुद को तपाना और खपाना पड़ता है। ख्याति के बाद तो संसार पीछे खड़ा होता है। लेकिन तप के समय महान विभूतियों को पहचानना आसान नहीं होता। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

मोदी ने कहा कि जो साधक को तपस्या में पहचानता है, वो उसकी सिद्धि का सहभागी भी होता है। इसलिए भाई-बहनों स्वामी विवेकानंद जी के जीवन में मैसूरु का इतना अहम योगदान था। करीब 130 वर्ष पहले स्वामी जी 1 युवा सन्यासी के रूप में भ्रमण करते हुए यहां आए थे। तब उनकी प्रसिद्धि वैसी नहीं थी, लेकिन विचार उतने ही ऊंचे थे। उस समय उन्हें जिन लोगों ने पहचाना, जो उनके साथ जुड़े उनमें से एक प्रमुख मैसूरु के तत्कालीन महाराजा का भी था। जब स्वामी विवेकानंद जी अमेरिका में थे, तब उन्होंने वहां से मैसूरु के महाराजा को एक पत्र लिखा था, उसमें उन्होंने स्वयं महाराजा के सहयोग का उल्लेख किया था।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय चेतना को आत्मसात किया था। उन्होंने शास्त्रों को आत्मसात किया था। जो कहते हैं कि वास्तव में वही जीता है, जो दूसरों के लिए जीता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं हों या प्राकृतिक आपदा में राहत कार्य, श्री रामकृष्ण आश्रम ने स्वामी विवेकानंद जी की विरासत को जीवंत रखा है। मुझे विश्वास है कि विवेका स्मारक साधकों और श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक उत्थान के एक तीर्थ बनेगा। स्वामी विवेकानंद जी की प्रेरणा थी शिव ज्ञाने, जीव सेवा, यानी जीव की सेवा ही शिव की सेवा है।

यूपी: विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से, चार अगस्त को आएगा अनुपूरक बजट

वेलकम इंडिया नेटवर्क

लखनऊ। विधानमंडल का मानसून सत्र में चार अगस्त को सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुपूरक अनुदानों की मांगें चार अगस्त को दोपहर 12:20 बजे सदन में पेश करेगी। इस सत्र के 3 से 6 अगस्त चलने की उम्मीद है। सत्र के पहले दिन तीन अगस्त को शोक प्रस्ताव रखा जाएगा। इसमें आजमगढ़ की निजामाबाद सीट से सपा विधायक आलमबदी का निधन पर शोक जताने के बाद सदन स्थगित हो जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष की स्वीकृति के बाद प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दूबे ने सत्र का कार्यक्रम जारी किया है।

माना जा रहा है कि विधान सभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश सरकार इस बार के अनुपूरक बजट में कुछ लोकलुभावन और कुछ नई योजनाओं की घोषणा कर सकती है। चार को अगस्त को अनूपुरक बजट पेश करने के बाद पांच अगस्त को विधायी कार्य और अन्य कार्य निपटाए जाएंगे। वहीं, छह अगस्त को अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद सरकार इसे पास कराएगी। इससे पहले योगी सरकार वर्ष 2026-27 का मूल बजट नौ लाख 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का पास करा चुकी है। सरकार पिछले सत्र के बाद से अब तक नौ अध्यादेश ला चुकी है। इनमें उत्तर प्रदेश वानिकी और औद्यानिकी विश्वविद्यालय द्वितीय अध्यादेश, उत्तर प्रदेश दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारण का उपशमन) (संशोधन) द्वितीय अध्यादेश, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता (तृतीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता (चतुर्थ संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (पंचम संशोधन) अध्यादेश शामिल हैं।

इन अध्यादेशों के स्थान पर सरकार अब इनके प्रतिस्थानी विधेयक तथा कुछ नए विधेयक भी इस सत्र में ला सकती है। इसके साथ ही इस मानसून सत्र में विभिन्न विभागों के भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन भी रखे जाएंगे। संभल में 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की रिपोर्ट भी इस सत्र में पेश की जाएगी।

सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में सांसद को दो साल की सजा

दमन। एक अग्सत दमन एवं दीव से निर्दलीय लोकसभा सदस्य उमेश पटेल और एक अन्य आरोपी को 2011 में भर्ती प्रक्रिया के दौरान सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डालने के लिए शनिवार को दो साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई। दमन, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव केंद्र शासित प्रदेश के दमन स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रणिता भारसकाडे-वाघ की अदालत ने उमेश पटेल और सह-आरोपी व पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेश पटेल को यह सजा सुनाई। दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। हालांकि, ऊपरी अदालत में अपील दायर करने के लिए उनकी सजा को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। दोनों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 186 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य का पालन करने से जानबूझकर रोकना) और धारा 353 (लोक सेवक के खिलाफ आपराधिक बल का इस्तेमाल करना) के तहत दोषी ठहराया गया। हालांकि, अदालत ने उन्हें आईपीसी की धारा 332 (पुलिसकर्मी को जानबूझकर चोट पहुंचाना), धारा 452 (अवैध रूप से घर या परिसर में घुसना) और धारा 504 (जानबूझकर अपमान करना) के तहत लगे आरोपों से बरी कर दिया।

पेपर लीक से छात्रों का भविष्य छीनने वाले मोदी छात्रों से मांगे माफी : राहुल

वेलकम इंडिया नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि पेपर लीक और परीक्षाएं रद्द होने की घटनाओं ने छात्रों का भविष्य छीन लिया है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को छात्रों को क्षमा करने की जरूरत नहीं है बल्कि उन्हें बच्चों से माफी मांगनी चाहिए। श्री गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के निकट महाबलीपुरम में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट से जुड़े घटनाक्रम में अपने बच्चों को खो चुके अभिभावकों से मुलाकात करने के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में भाग लेने के बाद सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि श्री मोदी को उन बच्चों से माफी मांगनी चाहिए जिनका भविष्य चौपट किया गया है। श्री गांधी ने कहा कि पेपरलीक के कारण कई बच्चों का जीवन खत्म हो गया और उनका परिवार बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को खोने वाले माता-पिता के आंसुओं और उनके बिलखने से बड़ा कोई दुख नहीं होता। यह गम उनके साथ हमेशा रहेगा और इसके साथ ही टूटी तथा भ्रष्ट शिक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल भी हमेशा बने रहेंगे।

श्री गांधी ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षाएं रद्द होने से वर्षों की तैयारी एक पल में बर्बाद हो गई। छात्रों से ऐसे तंत्र में ईमानदारी से मेहनत करने की अपेक्षा की जाती है जो स्वयं बेईमान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री छात्रों को 'माफ' करने की बात करते हैं लेकिन उन्होंने न तो किसी शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और न ही किसी ऐसे छात्र से मिले जिसका भविष्य पेपर लीक ने छीन लिया। उन्होंने कहा कि भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की क्षमा की जरूरत नहीं बल्कि प्रधानमंत्री को उनसे माफी मांगनी चाहिए।

अजीत डोभाल का जेन-जी को सीधा संदेश

आजादी का मतलब मनमर्जी नहीं, देशहित के बारे में सोचें युवा

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने शनिवार को देश के युवाओं से अपील की कि वे खुद को पूरी तरह से देशहित के लिए समर्पित करें और निजी स्वार्थ से ऊपर उठें। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए भारत के सामने मौजूद मौके का पूरा फायदा उठाएं। लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 मिलने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को सिर्फ.देशहित में काम करने का संकल्प लेना चाहिए और संकीर्ण व अल्पकालिक स्वार्थों को नजरअंदाज करना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डोभाल को तिलक स्मारक ट्रस्ट की ओर से शुरू किया गया यह पुरस्कार सौंपा। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को खुद को पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए और यह सोचना चाहिए कि वे सिर्फ.देशहित में काम करेंगे। उन्हें अपने छोटे-मोटे निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसी बातें मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए।

डोभाल ने कहा कि भारत अपने इतिहास के एक अहम दौर से गुजर रहा है और उसे इस मौके को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के इतिहास में एक सुनहरा मौका आया है। हम इसे गंवा नहीं सकते। अभी हमारी प्राथमिकता देश का निर्माण करना है। भारत के भविष्य पर भरोसा जताते हुए ठरअ ने कहा कि देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा।

डोभाल ने आगे कहा कि मुझे भरोसा है कि हम इस कोशिश में सफल होंगे और एक नया इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा कि देश खुशकिस्मत है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे नेता मिले हैं। लोकमान्य तिलक की तारीफ करते हुए डोभाल ने कहा कि वे न सिर्फ. एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक समाज सुधारक और दार्शनिक भी थे। उन्होंने कहा कि जब पुणे में प्लेग फैला और तिलक के 21 साल के बेटे की जान चली गई, तो उस आजादी की लड़ाई लड़ने वाले नेता ने शहर नहीं छोड़ा, बल्कि वहीं डटे रहे।

उन्होंने आगे कहा कि शायद आज के युवाओं को लगता है कि भारत हमेशा से ऐसा ही था। युवाओं को शायद लगता है कि आजादी का मतलब है जो मन में आए वो करना। आजादी ऐसी नहीं थी।

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 192 रुपये सस्ता

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक अगस्त से वाणिज्यिक एपलीजी सिलेंडर 2,930 रुपये की जगह 2,738 रुपये का मिलेगा। इस प्रकार इसमें 192 रुपये की कटौती की गयी है। वहीं, 14 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपये पर स्थिर है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में गिरावट के बाद सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए जुलाई में भी रसोई गैस के दाम घटाये थे। उस समय दिल्ली में कीमत 183.50 रुपये कम की गयी थी। देश के अलग-अलग शहरों में वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत और कटौती अलग-अलग है। यह कंपनियों की लागत और अन्य स्थानीय कारकों के हिसाब से तय होती है। कोलकाता में आज से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक सिलेंडर 2,872.50 रुपये का हो गया है। इसकी कीमत में 209 रुपये की कटौती हुई है। मुंबई में कीमत 194 रुपये और चेन्नई में 200 रुपये कम की गयी है। दोनों महानगरों में नयी कीमत क्रमशः 2,691.50 रुपये और 2,906 रुपये है। घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत मुंबई 941.50 रुपये, कोलकाता में 968 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये पर स्थिर है। पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस की आपूर्ति में बाधा के मद्देनजर तेल विपणन कंपनियों ने मार्च से जून के बीच एलपीजी के दाम में अच्छी खासी वृद्धि की थी। आम लोगों को राहत देने के उद्देश्य से घरेलू सिलेंडर के दाम ज्यादा नहीं बढ़ाये गये थे।

'एथेनॉल न मिलाते तो 125 पार होता पेट्रोल'

आलोचनाओं के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय का बड़ा बयान

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। पेट्रोल में एथेनॉल की मिलाने की नीतियों की लगातार आलोचना हो रही है। केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी दल और आम आदमी बड़ी संख्या में सोशल मीडिया पर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। इस बीच केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया है कि अगर पेट्रोल में एथेनॉल मिलाना बंद कर दिया जाएगा, तो पेट्रोल की कीमत 125 रुपये प्रति लीटर से भी ज्यादा हो सकती है। दरअसल, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के प्रोजेक्ट की हो रही आलोचना के संबंध में सरकार की नीतियों का बचाव किया है। मंत्रालय ने कहा है कि अगर भारत ने एथेनॉल मिश्रण को लागू नहीं किया होता, तो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में चरम वृद्धि के दौरान दिल्ली में खुदरा पेट्रोल की कीमतें लगभग 125 प्रति लीटर तक बढ़ सकती थीं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार का किया जिक्र

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के बीच नागरिकों को दी गई पर्याप्त वित्तीय राहत का जिक्र करते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, 'इसका परिणाम क्या हुआ? संकट के चरम पर पेट्रोल पंप पर लगभग 30 प्रति लीटर की बचत हुई। एथेनॉल मिश्रण का महत्व केवल हर दिन सबसे सस्ता ईंधन होने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं को वैश्विक तेल बाजारों में अत्यधिक अस्थिरता से बचाना, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और देश के ईंधन बिल का अधिक हिस्सा विदेशों में भेजने के बजाय भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर ही रखना है।'

20 प्रतिशत एथेनॉल से कोई नुकसान नहीं

इसके बजाय मंत्रालय ने कहा कि उपभोक्ताओं ने 94.77 रुपये प्रति लीटर का भुगतान किया क्योंकि प्रत्येक लीटर का 20 प्रतिशत घरेलू स्तर पर उत्पादित इथेनॉल था, जिसे स्थिर, पूर्व-निर्धारित कीमतों पर खरीदा गया था और जो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि से अप्रभावित था। ईबीपी कार्यक्रम से 1.97 लाख करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई है, 316 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल के आयात को प्रतिस्थापित किया गया है, और CO^2 उत्सर्जन में 950 लाख मीट्रिक टन से अधिक की कमी आई है। मंत्रालय ने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि इथेनॉल मिश्रण करदाताओं की सब्सिडी पर निर्भर है।

पेट्रोल मंत्रालय ने कहा, 'इथेनॉल मिश्रण करदाताओं की सब्सिडी नहीं है। यह भारत का ऊर्जा बीमा है और संकट के समय इसने अपना वादा निभाया है।'

गिनाया एथेनॉल मिलाने का फायदा

एक ओर भारत के लिए कच्चे तेल की कीमत बढ़कर लगभग 135 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई, वहीं उपभोक्ताओं ने 94.77 रुपये प्रति लीटर का भुगतान किया क्योंकि प्रत्येक लीटर का 20% हिस्सा घरेलू स्तर पर उत्पादित, स्थिर कीमत वाले इथेनॉल से बना था जो वैश्विक झटकों से अप्रभावित था। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि जब भारतीय कच्चे तेल की कीमत लगभग 135 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गई, तो दिल्ली में बिना इथेनॉल मिलाए पेट्रोल की कीमत लगभग 125 रुपये प्रति लीटर होने का अनुमान था।

देशभर में संतों-सनातनियों का प्रदर्शन, हिंदू धर्म का अपमान करने पर राहुल-पप्पू के खिलाफ FIR दर्ज

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले की तरफ ध्यान खींचने के लिये संसद परिसर में 'नाटक' करने पर सांसद पप्पू यादव की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। एक तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है साथ ही देश भर में संत तथा सनातनी सड़कों पर उतर कर उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। पप्पू यादव के साथ साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भी संत और सनातनी भड़के हुए हैं क्योंकि पप्पू के कुकृत्य में राहुल ने पूरा साथ दिया। इसी के चलते पप्पू यादव, राहुल गांधी और अयोध्या से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ वाराणसी में सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में शनिवार को मुकदमा दर्ज किया गया। दिल्ली में भी संसद मार्ग थाने में शिकायत दी गयी है। वहीं वाराणसी में पुलिस उपायुक्त गौरव बंसवाल ने बताया कि संतों की तहरीर पर सांसद राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव और सांसद अवधेश प्रसाद पर सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

हम आपको बता दें कि विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले में प्रतीकात्मक नाटक कर केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। इस दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर पुजारी बने, जबकि राहुल गांधी ने चंदा दिया। उसके बाद पप्पू यादव चंदे का बक्सा लेकर भागने लगे, जिन्हें अन्य सांसदों ने रोक लिया। प्रदर्शन के दौरान 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' के नारे भी लगाये गये। पप्पू यादव के इस कुकृत्य पर संतों की भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा है कि सनातन का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वहीं अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा है कि हिंदू धर्म के खिलाफ साजिशें हो रही हैं जोकि गलत है। उधर स्वामी दीपांकर ने कहा है कि हिंदू समाज भगवान राम के इस अपमान को नहीं सहेगा।

संपादक की कलम से

देश के युवा बनाम राष्ट्रीयता

ललित शर्मा
संपादक

भारत आज विश्व के उन गिने–चुने देशों में है जहाँ युवा जनसंख्या सबसे अधिक है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और लगभग आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। यह विशाल युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि यही युवा राष्ट्रनिर्माण, नवाचार, विज्ञान, शिक्षा, उद्योग, कृषि और सामाजिक विकास में अपनी ऊर्जा लगाए तो भारत को वैश्विक देश की अग्रणी पंक्ति में खड़ा होने से कोई नहीं रोक सकता। यदि यही ऊर्जा भटक जाए, स्वार्थी तत्वों के प्रभाव में आकर राष्ट्रहित से विमुख हो जाए, तो यही जनसांख्यिकीय लाभ राष्ट्र के लिए चुनौती भी बन सकता है। राष्ट्रीयता का अर्थ किसी दल, विचारधारा या व्यक्ति विशेष का समर्थन नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता, संविधान, संस्कृति, राष्ट्रीय संपत्ति और नागरिक कर्तव्यों के प्रति समर्पण की भावना है। दुर्भाग्यवश आज के समय में युवाओं का एक वर्ग सोशल मीडिया के दुष्प्रचार, आधी–अधूरी सूचनाओं, राजनीतिक ध्रुवीकरण और निहित स्वार्थी शक्तियों के प्रभाव में शीघ्र आकर भ्रमित हो जाता है। बिना तथ्यों की पुष्टि किए आंदोलन, विरोध अथवा हिंसक गतिविधियों में शामिल हो जाना चिंताजनक प्रवृत्ति है। लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था की शक्ति है, किंतु जब आंदोलन हिंसक रूप ले लेते हैं, सार्वजनिक बसों, ट्रेनों, सरकारी भवनों, विद्यालयों, अस्पतालों तथा अन्य राष्ट्रीय संपत्तियों को नुकसान पहुँचाया जाता है, तब सबसे अधिक हानि स्वयं राष्ट्र की होती है। यह संपत्ति किसी सरकार या अधिकारी की निजी नहीं होती, बल्कि देश के करोड़ों करदाताओं के धन से निर्मित होती है। एक बस जलती है तो उसका नुकसान देश का होता है ; एक रेलवे स्टेशन टूटता है तो उसका भार जनता पर ही आता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा यह समझें कि राष्ट्र का विकास केवल सरकारों के भरोसे नहीं होता। विकसित राष्ट्रों की पहचान उनके जागरूक नागरिकों से होती है। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देशों ने अपने युवाओं के अनुशासन, परिश्रम, तकनीकी दक्षता और राष्ट्रप्रेम के बल पर असाधारण प्रगति की है। भारत के युवाओं में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। भारतीय युवा विश्व की बड़ी–बड़ी कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रहे हैं। आवश्यकता केवल इस प्रतिभा को राष्ट्रहित की दिशा देने की है। राष्ट्रीयता की भावना केवल सीमा पर शस्त्र उठाने से नहीं आती। ईमानदारी से कर चुकाना, पर्यावरण की रक्षा करना, मतदान करना, कानून का पालन करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना, स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार का विरोध करना और अपने कार्य को पूरी निष्ठा से करना भी राष्ट्रसेवा ही है। प्रत्येक युवा यदि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करे तो भारत की प्रगति की गति कई गुना बढ़ सकती है। परिवार, विद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का आधार भी होनी चाहिए। विद्यार्थियों को संविधान के मूल्यों, स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, राष्ट्रीय कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाना चाहिए। युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी आवश्यक है। सोशल मीडिया के इस युग में सूचना का प्रवाह तीव्र है, किंतु विवेक का विकास उससे भी अधिक आवश्यक है। किसी भी समाचार, वीडियो या संदेश को सत्य माने बिना उसकी पुष्टि करना, अफवाहों से बचना और किसी भी प्रकार की हिंसा या तोड़फोड़ का हिस्सा न बनना आज के युवा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

राष्ट्रद्रोही से पा लेगें निजात

उदय कशोर साह

कविता

अय देश की माटी मत हो तुँ . परेशान
राष्ट्रद्रोही से पा लेगें एक दिन निदान
सरकार बनायेगी कड़ी कानून विधान
फिर होगी भारत में एक नई सी विहान

देश विदेशों की दुश्मन खड़ा है चारो ओर
देश के अन्दर छुपा है सत्ता का कई चोर
राजसिंहासन पाने के लिये डाल रहा है डोर
बेशर्मी की हद पार कर गई है ये लतखोर

पर इन गद्दारों को सबक सिखलायेगें एक दिन
कान पकड़ कर कानून सजा दिलायेगी गिन गिन
क्यां होती है देशद्रोही बनने का अपराध श्रीमान
पकड़े जायेगें उस दिन घाघ से घाघ जब शैतान

हमने पाई है शहादत देकर ये भारत की आजादी
कैसे दे सकता हूँ इन देश के गद्दारों को कभी माफी
भूल गया ये सत्ता लोभी देश की वो. शर्म सी गुलामी
नीच जन से हाथ मिला कर कर ली खुद की बदनामी

सत्ता के लालची को है राजसिहासन की आज दरकार
पर वर्तमान में है देश में राष्ट्रहित की सोंच वाली सरकार
कानून की हथौड़ा जब पड़ जायेगी सर पे प्रहार
निकल जायेगी उस दिन देश से दुश्मनी की विचार

विषाक्त राजनीति: विभाजन, विद्वेष और विनाश की खतरनाक प्रयोगशाला

एनके शर्मा
लेखक

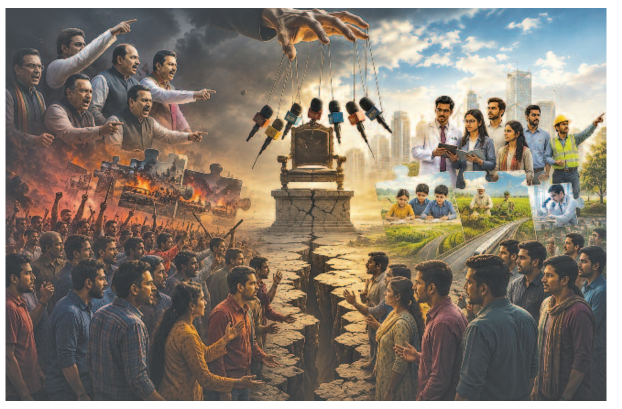

राजनीति किसी भी सभ्य राष्ट्र की आत्मा होती है। उसका मूल उद्देश्य समाज को दिशा देना, राष्ट्र को स्थिरता प्रदान करना, न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करना और नागरिकों के जीवन को अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक तथा समृद्ध बनाना होता है। किंतु जब राजनीति अपने मूल धर्म से विमुख होकर केवल सत्ता प्राप्ति और उसे हर कीमत पर बनाए रखने का माध्यम बन जाती है, तब वही राजनीति समाज के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाती है। इतिहास इस सत्य का मौन साक्षी है कि किसी भी राष्ट्र का पतन केवल बाहरी आक्रमणों से नहीं हुआ, बल्कि उससे कहीं अधिक उसके भीतर पनपी विषाक्त राजनीति ने किया है। जब राजनीतिक विमर्श विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा से हटकर जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, भय, घृणा और अविश्वास के इर्द-गिर्द घूमने लगता है, तब लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप धीरे-धीरे खोने लगता है।

विषाक्त राजनीति की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह नागरिकों को एक राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे समूहों में विभाजित मतदाताओं के रूप में देखने लगती है। उसका लक्ष्य समाज को जोड़ना नहीं, बल्कि इस प्रकार बाँटना होता है कि प्रत्येक वर्ग स्वयं को दूसरे का प्रतिद्वंद्वी समझने लगे। ऐसी राजनीति के लिए सामाजिक तनाव एक अवसर बन जाता है, क्योंकि भय और असुरक्षा का वातावरण प्रायः तर्क, संवाद और विवेक को कमजोर कर देता है। परिणामस्वरूप लोकतंत्र का स्वस्थ विमर्श भावनात्मक उन्माद का शिकार हो जाता है।

जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा वैचारिक बहस के बजाय विरोधियों के अमानवीकरण, झूठे प्रचार, चरित्रहनन और निरंतर वैमनस्य पर आधारित होने लगे, तब समाज में विश्वास का संकट उत्पन्न होता है। नागरिक एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। पड़ोसी, मित्र, सहकर्मी और यहाँ तक कि परिवार भी राजनीतिक ध्रुवीकरण का शिकार हो सकते हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच आपसी विश्वास, असहमति के सम्मान और संवैधानिक मूल्यों से जीवित रहता है।

विषाक्त राजनीति का दूसरा घातक प्रभाव यह होता है कि वह वास्तविक समस्याओं को सार्वजनिक विमर्श से बाहर कर देती है। बेरोजगारी, कृषि संकट, महँगाई, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरण, न्यायिक सुधार, पुलिस सुधार, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाते हैं। सार्वजनिक ऊर्जा उन विवादों में खर्च होने लगती है जिनका आम नागरिक के दैनिक जीवन से सीमित संबंध होता है। इससे शासन की जवाबदेही भी कमजोर पड़ती है, क्योंकि जनता का ध्यान मूल प्रश्नों से हट जाता है।

इतिहास में अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ विभाजनकारी राजनीति ने अल्पकालिक चुनावी लाभ तो दिए, परंतु दीर्घकाल में समाज को गहरे घाव दिए। सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता, निवेश में कमी, प्रतिभाओं का पलायन और संस्थाओं पर अविश्वास–ये सभी उस वातावरण की स्वाभाविक परिणतियाँ हैं जहाँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा सहयोग के बजाय स्थायी टकराव में बदल जाती है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी उसकी सामाजिक एकता और संस्थागत विश्वसनीयता होती है। यदि यही कमजोर हो जाएँ, तो आर्थिक विकास भी लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह सकता।

आज सूचना प्रौद्योगिकी के युग में विषाक्त राजनीति ने एक नया और अधिक खतरनाक रूप धारण कर लिया है। सोशल मीडिया ने संवाद का लोकतंत्रीकरण अवश्य किया है, किंतु इसके साथ ही दुष्प्रचार, भ्रामक सूचनाओं, कृत्रिम रूप से फैलाए गए आक्रोश और डिजिटल ध्रुवीकरण की चुनौती भी बढ़ी है। कुछ ही मिनटों में कोई अपुष्ट सूचना लाखों लोगों तक पहुँच सकती है और सामाजिक तनाव उत्पन्न कर सकती है। ऐसे वातावरण में सत्य, धैर्य और तथ्य अक्सर शोर, उत्तेजना और वायरल सामग्री के पीछे छिप जाते हैं।

लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। सत्ता का दायित्व है कि वह पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील शासन प्रदान करे। विपक्ष का दायित्व है कि वह तथ्यों के आधार पर रचनात्मक आलोचना करे और वैकल्पिक नीतियाँ प्रस्तुत करे। किंतु यदि दोनों पक्ष केवल निरंतर टकराव, व्यक्तिगत कटुता और सार्वजनिक अविश्वास को बढ़ावा दें, तो सबसे अधिक नुकसान लोकतांत्रिक संस्कृति को होता है। जनता को भी यह समझना होगा कि लोकतंत्र में असहमति शत्रुता नहीं होती और आलोचना राष्ट्र-विरोध नहीं होती।

विषाक्त राजनीति का सबसे गंभीर प्रभाव युवाओं पर पड़ता है। युवा किसी भी राष्ट्र की रचनात्मक शक्ति होते हैं। यदि उनकी ऊर्जा नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, अनुसंधान और कौशल विकास के बजाय स्थायी वैचारिक संघर्ष, घृणा और डिजिटल प्रचार अभियानों में खपने लगे, तो राष्ट्र अपनी भविष्य की क्षमता स्वयं कमजोर कर देता है। एक ऐसा समाज, जहाँ युवा विचारों की प्रतिस्पर्धा के बजाय व्यक्तियों और समूहों से घृणा करना सीखें, वहाँ लोकतांत्रिक परिपक्वता का विकास कठिन हो जाता है।

शिक्षा संस्थानों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय, जहाँ स्वतंत्र चिंतन, शोध और विमर्श विकसित होना चाहिए, वे भी कभी-कभी तीव्र राजनीतिक ध्रुवीकरण का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप ज्ञान और अनुसंधान की संस्कृति प्रभावित होती है। किसी भी राष्ट्र की वैश्विक प्रतिष्ठा केवल उसकी सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि उसके विश्वविद्यालयों, वैज्ञानिक उपलब्धियों, सांस्कृतिक परिपक्वता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से निर्मित होती है।

विषाक्त राजनीति प्रशासनिक व्यवस्था को भी प्रभावित करती है। यदि नियुक्तियाँ, निर्णय और नीतियाँ योग्यता तथा सार्वजनिक हित के बजाय संकीर्ण राजनीतिक हितों से संचालित होने लगें, तो संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्न उठने लगते हैं। नागरिकों का विश्वास कम होने लगता है, और लोकतांत्रिक व्यवस्था की नैतिक शक्ति कमजोर पड़ती है। किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए संस्थागत निष्पक्षता केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता का आधार भी है।

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्ता से प्रश्न करना, तथ्यों की जाँच करना और नागरिकों को विश्वसनीय सूचना उपलब्ध कराना है। यदि मीडिया स्वयं राजनीतिक ध्रुवीकरण का साधन बन जाए, या तथ्य-जाँच की जगह उत्तेजना और सनसनी को प्राथमिकता दे, तो समाज का सूचना-पर्यावरण दूषित हो सकता है। दूसरी ओर, यदि पत्रकारिता तथ्यों, प्रमाणों और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे, तो वह विषाक्त राजनीति के प्रभाव को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

राष्ट्र की शक्ति उसकी विविधता में निहित होती है। भाषा, संस्कृति, परंपरा और विचारों की विविधता लोकतंत्र को समृद्ध बनाती है, बशर्ते उन्हें संघर्ष का नहीं, संवाद का आधार बनाया जाए। जब नागरिक अपनी पहचान के साथ-साथ साझा राष्ट्रीय हित को भी महत्व देते हैं, तब लोकतंत्र अधिक मजबूत होता है। इसके विपरीत, यदि हर मतभेद स्थायी शत्रुता में बदल जाए, तो सामाजिक ताना-बाना कमजोर पड़ सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीति पुनः अपने मूल उद्देश्य की ओर लौटे–जनसेवा, सुशासन, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों का सम्मान और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास। चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, किंतु वे लोकतंत्र का अंतिम लक्ष्य नहीं हैं। अंतिम लक्ष्य है ऐसा समाज जहाँ प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और समान अवसरों का अधिकारी महसूस करे।

नागरिकों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र केवल नेताओं से नहीं चलता; वह मतदाताओं की सजगता, तथ्यपरक सोच, संवैधानिक मूल्यों के सम्मान और शांतिपूर्ण संवाद की संस्कृति से संचालित होता है। यदि समाज अफवाहों की बजाय प्रमाण, घृणा की बजाय विवेक, और उन्माद की बजाय उत्तरदायित्व को महत्व देगा, तो विषाक्त राजनीति की जमीन स्वतः सिकुड़ने लगेगी।

राष्ट्रों का निर्माण नारों से नहीं, चरित्र से होता है; चुनावी रणनीतियों से नहीं, संस्थागत ईमानदारी से होता है; और स्थायी प्रगति विभाजन से नहीं, विश्वास से आती है। राजनीति तब तक लोकनीति नहीं बन सकती जब तक उसका केंद्र सत्ता नहीं, समाज; प्रचार नहीं, सत्य; और तात्कालिक लाभ नहीं, दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित न हो। इतिहास अंततः उन्हीं राष्ट्रों को सम्मान देता है जो अपने मतभेदों के बावजूद संवाद, न्याय, संवैधानिक मर्यादा और साझा भविष्य को प्राथमिकता देते हैं। यही वह कसौटी है जिस पर किसी भी लोकतंत्र की वास्तविक सफलता और किसी भी राजनीति की नैतिक विश्वसनीयता परखी जाती है।

कामकाजी स्त्री: उड़ान, उम्मीद और उलझनें

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आज का समाज तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव की सबसे सशक्त तस्वीर कामकाजी महिलाओं के रूप में दिखाई देती है। वह अब केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, प्रशासन, उद्योग, सेना, खेल और राजनीति जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है। नौकरी उसके लिए केवल आय का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और अपने सपनों को साकार करने का माध्यम भी है। फिर भी इस उड़ान के साथ अनेक उम्मीदें और उलझनें जुड़ी हुई हैं।

कामकाजी महिला की सबसे बड़ी उपलब्धि उसकी आर्थिक स्वतंत्रता है। अपनी मेहनत की कमाई उसे आत्मविश्वास देती है और परिवार के निर्णयों में उसकी भागीदारी को मजबूत बनाती है। आज लाखों महिलाएँ अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

लेकिन यह सफर आसान नहीं है। अधिकांश कामकाजी महिलाओं को कार्यालय और घर–दोनों की जिम्मेदारियाँ निभानी पड़ती हैं। दिनभर कार्यस्थल पर काम करने के बाद घर लौटकर बच्चों की देखभाल, भोजन बनाना, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू कार्यों का दायित्व भी अक्सर उन्हीं के कंधों पर होता है। इस दोहरी जिम्मेदारी के कारण वे शारीरिक और मानसिक थकान का सामना करती हैं।

कार्यस्थल पर भी अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। समान कार्य के लिए असमान वेतन, पदोन्नति में भेदभाव, लैंगिक पूर्वाग्रह, कार्यस्थल पर सुरक्षा की चिंता और कभी-कभी उत्पीड़न जैसी समस्याएँ आज भी अनेक महिलाओं के सामने हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए परिवहन, बच्चों की देखभाल और सामाजिक रूढ़ियाँ इन कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं।

फिर भी भारतीय महिलाएँ लगातार नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। वे वैज्ञानिक अनुसंधान का नेतृत्व कर रही हैं, बड़ी कंपनियों का संचालन कर रही हैं, सेना में देश की रक्षा कर रही हैं, खेलों में विश्व स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं और राजनीति व प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनकी उपलब्धियाँ यह संदेश देती हैं कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता।

समाज की जिम्मेदारी है कि वह कामकाजी महिलाओं को केवल 'सब कुछ संभालने वाली' व्यक्ति के रूप में न देखे। परिवार में घरेलू कार्यों की समान भागीदारी, सुरक्षित कार्यस्थल, बच्चों की देखभाल की बेहतर सुविधाएँ, लचीले कार्य घंटे और समान अवसर उन्हें आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कामकाजी स्त्री की नौकरी केवल उड़ान भी नहीं है और केवल मजबूरी भी नहीं। यह उसके सपनों, संघर्षों, उम्मीदों और जिम्मेदारियों का संतुलित सफर है। जब परिवार, समाज और संस्थाएँ उसके साथ खड़ी होती हैं, तब उसकी सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रहती, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार बन जाती है।

एक सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला केवल अपने जीवन को नहीं बदलती, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बेहतर भविष्य का निर्माण करती है। इसलिए कामकाजी स्त्री की उड़ान को प्रोत्साहित करना, उसकी चुनौतियों को समझना और उसके लिए समान अवसर सुनिश्चित करना एक विकसित और संवेदनशील समाज की पहचान है।

वैश्विक आर्थिक तूफान में भारत: क्या दुनिया का नया निवेश ठिकाना बन रहा है

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में वर्ष 2026 का समय एक ऐसे दौर के रूप में उभर रहा है,जिसमें ईरान- अमेरिका, यूक्रेन-रूस युद्ध, भू- राजनीतिक तनाव,ऊर्जा संकट,ऊंची ब्याज दरें, वैश्विक पूंजी का तेज आवागमन और तकनीकी परिवर्तन,सभी मिलकर विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर रहे हैं। ऐसे वातावरण में भारत का शेयर बाजार केवल घरेलू निवेशकों की आशावादिता का प्रतिबिंब नहीं,बल्कि भारत की आर्थिक क्षमता, राजनीतिक स्थिरता, डिजिटल विस्तार, बुनियादी ढांचा निवेश और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं का संकेतक भी बनता जा रहा है ।बता दे कि दिनांक 1 अगस्त 2026 से भारत सरकार ने वाणिज्यिक सिलेंडर में 200 रूपए की कमी की है जो तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। 3 से 5 अगस्त 2026 के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दर,महंगाई, विकास, रुपये और वैश्विक जोखिमों के बीच संतुलन प्रमुख विषय रहेंगे। 31 जुलाई 2026 को भारतीय बाजारों में लगातार तीसरे सत्र की तेजी दिखाई दी और सेंसेक्स लगभग 78 हजार अंक के स्तर के आसपास बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24,350 के ऊपर बना रहा। यह मजबूती ऐसे समय में आई है,जब पश्चिम एशिया की अस्थिरता, बढ़ती ऊर्जा कीमतें और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल वैश्विक निवेशकों के सामने नई चिंताएं खड़ी कर रहे हैं ।अगस्त 2026 के शुरूआती हफ्ते (3 अगस्त से 7 अगस्त) के लिए भारतीय शेयर बाजार का रुझान सतर्कता के साथ मजबूती की ओर इशारा कर रहा है बाजार के जानकारों के मुताबिक, इस हफ्ते 4 बड़े ट्रिगर्स हैं जो मार्केट की दिशा तय करेंगे ।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारतीय बाजार की यह मजबूती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विश्व अर्थव्यवस्था आज दो विपरीत शक्तियों के बीच खड़ी है। एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, सेमी कंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और नई औद्योगिक क्षमता निवेश के अवसर पैदा कर रहे हैं; दूसरी ओर युद्ध, आपूर्ति- श्रृंखला बाधाएं, ऊर्जा असुरक्षा, व्यापारिक संरक्षणवाद और महंगी पूंजी विकास की गति पर दबाव डाल रहे हैं। अमेरिका में 31 जुलाई को प्रमुख शेयर सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए और जुलाई का समापन सकारात्मक रहा। मजबूत कॉर्पोरेट परिणामों तथा एआई निवेश से जुड़ी आशाओं ने बाजार को समर्थन दिया, लेकिन बढ़ते तेल मूल्य और ऊंचे ट्रेजरी प्रतिफल ने महंगाई तथा भविष्य की ब्याज दरों को लेकर सटीकता से चिंता भी बढ़ाई। साथियों, भारत के लिए सबसे बड़ी बाहरी आर्थिक चुनौती कच्चे तेल की कीमत है ।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है ।इसलिए तेल की कीमत बढ़ने का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता,बल्कि परिवहन लागत, खाद्य कीमतों,औद्योगिक उत्पादन,उर्वरक, विमानन, व्यापार घाटे और सरकारी वित्त तक पहुंचता है। पश्चिम एशिया में तनाव या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भारत का आयात बिल बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव आ सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय तेल कंपनियों द्वारा स्पॉट बाजार से अतिरिक्त कच्चे तेल की खरीद यह संकेत देती है कि ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और जोखिम प्रबंधन अब आर्थिक नीति का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं ।तेल की बढ़ती कीमतों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव बहुस्तरीय होता है। पहला प्रभाव चालू खाते के घाटे पर पड़ता है, क्योंकि अधिक विदेशी मुद्रा तेल आयात पर खर्च होती है। दूसरा प्रभाव रुपये पर पड़ता है; यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में कमजोरी आ सकती है। तीसरा प्रभाव महंगाई पर पड़ता है, क्योंकि परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ने से वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य प्रभावित होते हैं। चौथा प्रभाव कंपनियों के लाभ पर पड़ता है, विशेषकर विमानन, रसायन,परिवहन,लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा-गहन उद्योगों पर। इसलिए भारतीय शेयर बाजार की वर्तमान मजबूती को समझते समय यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या बाजार तेल जोखिम को पर्याप्त रूप से ध्यान में रख रहा है, या निवेशकों का विश्वास अभी घरेलू विकास संभावनाओं पर अधिक केंद्रित है। साथियों, दूसरी बड़ी वैश्विक चुनौती अमेरिकी बॉन्ड यील्ड है ।जब अमेरिका के दीर्घकालिक सरकारी बॉन्डों पर प्रतिफल बढ़ता है, तो वैश्विक निवेशकों के सामने भी एक अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्प अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इससे उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी का प्रवाह धीमा पड़ सकता है ।हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी 30- वर्षीय ट्रेजरी यील्ड लगभग 5 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने और मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता तथा महंगाई के संबंध में चिंताओं ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को प्रभावित किया है ।ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का भारत पर प्रभाव तीन प्रमुख माध्यमों से पड़ सकता है। पहला, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से धन निकालकर अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर जासकते हैं। दूसरा, डॉलर मजबूत होने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। तीसरा, भारत में सरकारी और कॉर्पोरेट उधारी की लागत बढ़ सकती है। 31 जुलाई 2026 को भारत की 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड यील्ड लगभग 6.81 प्रतिशत के आसपास रही, जो यह दर्शाती है कि घरेलू बॉन्ड बाजार भी वैश्विक ब्याज दरों, तेल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित है। साथियों,फिर भी भारत की स्थिति कई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत मजबूत दिखाई देती है। भारत के पास बड़ा घरेलू उपभोक्ता बाजार,युवा जनसंख्या,डिजिटल भुगतान प्रणाली, तेजी से बढ़ता बुनियादी ढांचा, विनिर्माण विस्तार और सेवा क्षेत्र की क्षमता है। भारत की अर्थव्यवस्था केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है; घरेलू मांग भी विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत को दीर्घकालिक निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य माना जा रहा है। लेकिन भारत को सुरक्षित निवेश केंद्र कहना तभी उचित होगा,जबआर्थिक वृद्धि के साथ रोजगार, उत्पादकता, निजी निवेश, निर्यात क्षमता और वित्तीय स्थिरता भी मजबूत बनी रहे ।भारतीय शेयर बाजार की वर्तमान मजबूती में घरेलू निवेशकों की भूमिका भी उल्लेखनीय है। म्यूचुअल फंड, व्यवस्थित निवेश योजनाओं और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने बाजार को विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव से कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान की है। पहले विदेशी संस्थागत निवेशकों की बड़ी बिकवाली के समय बाजार में तीव्र गिरावट देखने को मिलती थी, लेकिन अब घरेलू संस्थागत निवेशक और खुदरा निवेशक बाजार को स्थिर रखने में अधिक सक्षम दिखाई देते हैं। हालांकि इसका दूसरा पक्ष यह है कि अत्यधिक उत्साह के कारण कुछ शेयरों का मूल्यांकन वास्तविक आय और लाभ वृद्धि से आगे निकल सकता है। इसलिए बाजार की तेजी को आर्थिक मजबूती के साथ-साथ मूल्यांकन और जोखिम के आधार पर भी परखना आवश्यक है। साथियों, भारत के सामने एक महत्वपूर्ण अवसर चीन-प्लस- वन रणनीति और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला के पुनर्गठन से भी जुड़ा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन को एक ही देश पर निर्भर रखने के बजाय विभिन्न देशों में विस्तार करना चाहती हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों पर डीएम-एसपी ने की समीक्षा बैठक

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट को दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। हापुड़ जनपद के सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, पिलखुआ में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में सावन माह की कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ मार्ग, प्रमुख शिवालयों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाएं, साफ-सफाई तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी नियुक्त मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने सेक्टर में लगातार भ्रमणशील रहें तथा ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन हर समय चालू रखें, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल समन्वय स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में निर्देश दिए गए कि सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस सहित अन्य अस्पतालों में कांवड़ यात्रियों के लिए विशेष वार्ड, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, एंबुलेंस तथा चिकित्सकों की 24 घंटे ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही कांवड़ मार्ग पर प्राथमिक उपचार शिविर स्थापित किए जाएं, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए रूट डायवर्जन एवं पार्किंग व्यवस्था पहले से निर्धारित करने, कांवड़ मार्ग पर पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालय एवं टेंट की समुचित व्यवस्था कराने तथा मार्ग की नियमित सफाई एवं कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि कांवड़ यात्रा जनपद की आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इसे शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, कंट्रोल रूम को पूर्णतः सक्रिय रखने तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, सभी उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के निदेशक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

32 यूपी बटालियन एनसीसी धामपुर के निर्देशन में टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

धामपुर। 32 यूपी बटालियन एनसीसी धामपुर के कमान अधिकारी गणेश चंद विद्यार्थी के निर्देशन में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत देवता महाविद्यालय, मोरना (बिजनौर) के तत्वावधान में अभियान के तृतीय दिवस पर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने ग्राम मोरना के बाजार, गली-मोहल्लों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर ग्रामीणों को टीबी के कारण, लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं उपचार की आवश्यकता, स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा नशे के विभिन्न प्रकारों से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही नशे से होने वाली आर्थिक हानि एवं परिवार तथा समाज पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों ने कैडेट्स के उत्साह और जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए महाविद्यालय, 32 यूपी बटालियन एनसीसी तथा सरकार की इस जनहितकारी पहल की प्रशंसा की। अभियान के सफल आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लोकबीर सिंह, सचिव वीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. राशिद खान, डॉ. अमित कुमार, डॉ. अजीत कुमार, दिनेश वर्मा, कोमल सिंह, पदम सिंह सहित अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर कैडेट उदय कुमार, प्रिंस कुमार, अनिकेत, वासु कुमार, लव कुश सहित कुल 36 कैडेट्स ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सिद्धार्थनगर को मिला नया आधार सेवा केंद्र

आधार से जुड़ी समस्याओं से अब लोगों को मिलेगी राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के लोगों के लिए आधार संबंधी सेवाओं को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है। उस्का रोड स्थित वार्ड नंबर-7 में इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने नए आधार सेवा केंद्र का संचालन शुरू हो गया है। इसके शुरू होने से सिद्धार्थनगर सहित आसपास के क्षेत्रों के हजारों लोगों को आधार से जुड़े कार्यों के लिए राहत मिलेगी।नए आधार सेवा केंद्र पर नया आधार नामांकन, आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और ई-मेल अपडेट, बायोमेट्रिक अपडेट सहित अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए दूरस्थ केंद्रों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और समय की भी बचत होगी। केंद्र पर आने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क, टोकन व्यवस्था तथा सुव्यवस्थित सेवा प्रणाली की व्यवस्था की गई है, जिससे आधार संबंधी कार्य पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा सकेंगे। केंद्र के प्रबंधक देव तिवारी ने बताया कि लोगों को बेहतर और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से आधार संबंधी किसी भी कार्य के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ केंद्र पर पहुंचने की अपील की। उन्होंने बताया कि आधार सेवा केंद्र सप्ताह के सातों दिन खुला रहेगा। केंद्र का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है, जिससे लोग अपनी सुविधा के अनुसार आधार संबंधी कार्य करा सकेंगे।

हापुड़ में कांवड़ यात्रा-2026 के लिए विशेष तैयारियां, महिला श्रद्धालुओं के लिए पहली बार चेंजिंग रूम और ब्रेस्टफीडिंग सेंटर

'कांवड़ कार्ट' से मिलेगा किफायती सात्विक भोजन, ड्रोन निगरानी व क्यूआर हेल्प सिस्टम से बढ़ेगी सुरक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन एवं जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप हापुड़ जनपद में श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को श्रद्धालुओं के लिए सुगम, सुरक्षित एवं गरिमामय बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। जिलाधिकारी कविता मीना एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा के नेतृत्व में प्रशासन द्वारा कई अभिनव पहलें शुरू की गई हैं। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए इस बार पहली बार कांवड़ मार्ग पर चेंजिंग रूम एवं ब्रेस्टफीडिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि महिला कांवड़ियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की पहल पर जनपद में 15 'कांवड़ कार्ट' स्थापित किए जा रहे हैं। इन कार्टों के लिए उपजिलाधिकारियों द्वारा उपयुक्त स्थानों का चयन किया जा चुका है। इनका संचालन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इन कांवड़ कार्टों के माध्यम से श्रद्धालुओं को उचित एवं किफायती दरों पर स्वच्छ और सात्विक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार एवं स्वावलंबन के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्टों पर आजीविका मिशन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदर्शित की जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरे कांवड़ मार्ग पर ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा मार्ग पर क्यूआर/बारकोड आधारित हेल्प सिस्टम भी स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासनिक सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

17 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग को लेकर निषाद पार्टी ने निकाला जुलूस

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। शनिवार को निषाद पार्टी के कार्यकताओं ने 17 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किए जाने की मांग को लेकर जुलूस निकाला। कार्यकताओं ने उत्तराखंड की तर्ज पर इन 17 जातियों को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी करने तथा अनुसूचित जाति का आरक्षण कोटा 30 प्रतिशत किए जाने की मांग उठाई।जुलूस के उपरांत निषाद पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया के फार्म हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सरकार से मांग की गई कि 17 जातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देकर उन्हें आरक्षण एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष डीपी निषाद, युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष कुलदीप निषाद 'द ग्रेट', युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुंदर निषाद, अशोक निषाद, महेश केवट, चमन सिंह कश्यप, ऋतिक निषाद, सुखदेव निषाद, दीपांशु निषाद, सनी निषाद, दिलपल निषाद एवं शिवदत्त निषाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कपिलवस्तु स्तूप पर लाइट एंड साउंड शो व विपश्यना पार्क का उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

अलीगढ़वा/सिद्धार्थनगर। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कपिलवस्तु स्तूप पहुंचकर लाइट एंड साउंड शो तथा विपश्यना पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली, विधिवत पूजन-अर्चन के बाद शिलापट्ट का अनावरण किया और भंतेगणों से संवाद करने के साथ स्तूप की परिक्रमा भी की। कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कविता शाह तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने पर्यटन सुविधा केंद्र पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों के अन्नप्राशन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत छात्राओं ने स्वागत गीत और कपिलवस्तु गीत की प्रस्तुति दी। साथ ही कालानमक चावल एवं गौतम बुद्ध पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में विकास की अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से संचालित हो रही हैं। उन्होंने उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने सांसद जगदंबिका पाल द्वारा जनपद के विकास के लिए रखे गए प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि कपिलवस्तु बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से विश्व स्तर का केंद्र है और यहां लाइट एंड साउंड शो तथा विपश्यना पार्क शुरू होने से पर्यटन को नई गति मिलेगी। विधायक श्यामधनी राही और भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने भी इसे जनपद के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खाद गोदाम, मोरना के प्रांगण में कृषक गोष्ठी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

धामपुर। सहकारी गन्ना विकास समिति धामपुर के खाद गोदाम, मोरना के प्रांगण में ग्राम मोरना, शेख सोलन एवं दरियापुर के कृषकों का सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम एवं कृषक गोष्ठी समिति अध्यक्ष श्री मोहन सिंह उर्फ रामवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला गन्ना अधिकारी बृजेश पटेल, आशीष शर्मा (यूनिट हेड, धामपुर चीनी मिल), संजीव कुमार (ए.बी.पी. केन), अमित पांडे (एस.सी.डी.आई., गन्ना विकास परिषद, धामपुर) तथा विनोद कुमार (सचिव,गन्ना समिति धामपुर) सहित ग्राम मोरना, शेख सोलन एवं दरियापुर के सम्मानित कृषक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस मौके पर अमित पांडे एवं विनोद कुमार ने गन्ना विभाग द्वारा कृषक हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक गन्ना उत्पादन तकनीकों, विभागीय सुविधाओं तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही किसानों से सट्टा प्रदर्शन के दौरान अपने अभिलेखों का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर किसी भी त्रुटि का समय रहते संशोधन कराने का आग्रह किया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला गन्ना अधिकारी व चीनी मिल के अधिकारियों ने भी किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के उपरांत जिला गन्ना अधिकारी बृजेश पटेल के समक्ष आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धमपुर चीनी मिल द्वारा ड्रोन स्प्रे एवं सहकारी गन्ना विकास समिति धामपुर के ट्रैक्टर संचालित स्प्रे मशीन द्वारा गन्ने की फसल पर किए जाने वाले स्प्रे का सजीव प्रदर्शन (डेमो) किया गया। अधिकारियों एवं उपस्थित किसानों ने इस तकनीक को समय, श्रम की बचत के साथ-साथ प्रभावी फसल प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया तथा किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सहकारी गन्ना विकास समिति धामपुर, किसानों के हितों की रक्षा, पारदर्शी व्यवस्था तथा गन्ना विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

डॉक्टर भास्कर शर्मा को मिला मदर टेरेसा सेवा रत्न अवार्ड 26

वेलकम इंडिया संवाददाता

इटवा/सिद्धार्थनगर। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर भास्कर शर्मा मदर टेरेसा सेवा रत्न अवार्ड से नवाजे गए । डॉक्टर भास्कर शर्मा को यह अवॉर्ड 30 जुलाई 26 को मदर टेरेसा फाउंडेशन आंध्र प्रदेश के डायरेक्टर डॉक्टर आरपी रेड्डी चित्रा ने डॉक्टर डॉक्टर भास्कर शर्मा को मदर टेरेसा सेवा रत्न अवॉर्ड का प्रमाण पत्र दिया है। पूर्व में डॉक्टर भास्कर शर्मा को स्टार ऑफ होमियोपैथी लंदन, प्रेसिडेंशियल यूथ फिटनेस अवाड्र्स अमेरिका,डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन इंटरनेशनल अवॉर्ड लंदन, वरिष्ठ होम्योपैथिक इंटरनेशनल अवॉर्ड सिंगापुर, डॉ एलेन इंटरनेशनल अवॉर्ड थाईलैंड, डॉक्टर कैंट इंटरनेशनल अवॉर्ड मलेशिया, ग्लोबल आइकॉन पर्सनैलिटी ऑफ होम्योपैथी दुबई, होम्योपैथी शिरोमणि इंटरनेशनल अवॉर्ड मस्कट, ग्लोबल एनवायरमेंटल अवार्ड फिलीपींस, साहित्य रत्न अवॉर्ड कनाडा, बेस्ट होम्योपैथी अवार्ड नाइजीरिया, ग्लोबल आईकॉन पर्सनालिटी अवार्ड अफ्रीका, इंटरनेशनल पीस अवॉर्ड इंडोनेशिया, डॉक्टरेट अवॉर्ड अल्जीरिया, होम्यो भूषण काठमांडू, होम्योपैथी श्री गोवा, होम्योपैथी रत्न, चिकित्सा रत्न सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।सम्मान पाने की खुशी में डॉक्टर वीरेंद्र त्रिपाठी डॉ अजीत डॉ एम शर्मा, डॉक्टर चंद्रशेखर वर्मा,डॉक्टर सोनपा विश्वकर्मा, डॉक्टर डॉ राजकुमार शर्मा, बिलाल अहमद, कृष्ण कुमार पाठक, गणेश विश्वकर्मा, देवी प्रसाद मौर्या, कृष्णलाल यादव, संजय त्रिपाठी प्रदीप कश्यप, राहुल प्रजापति देवेश मौर्य, वीरेंद्र प्रजापति, रामजस कनोजिया आदि लोगों ने दी बधाइयां।

गोद भराई कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

हापुड़ जिले की तीनों तहसीलों में 105 शिकायतें प्राप्त, 17 का मौके पर निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस से पूर्व जिलाधिकारी कविता मीना ने हापुड़ तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में प्रतिभाग कर पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म विधि-विधान से संपन्न कराई। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां एवं पोषण किट वितरित किए गए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने उन्हें संतुलित आहार, मातृ स्वास्थ्य एवं प्रसव पूर्व देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। इसके उपरांत हापुड़ तहसील में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। अधिकारियों ने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए।

हापुड़ तहसील में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि तहसील दिवस में प्राप्त प्रत्येक प्रार्थना पत्र का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवादों का समाधान राजस्व एवं पुलिस विभाग के समन्वय से प्राथमिकता के आधार पर कराने तथा शिकायतकताओं को निस्तारण की सूचना दूरभाष के माध्यम से भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में खतौनी, वरासत, सीमांकन, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि विवाद, मारपीट, शांति भंग, साइबर फ्रॉड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, सड़क, विद्युत एवं पेयजल जैसी विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों पर तत्काल एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि पीड़ितों की शिकायतों का निस्तारण थाना स्तर पर ही प्रभावी ढंग से किया जाए। साथ ही सावन माह में चल रही कांवड़ यात्रा को देखते हुए सभी पुलिस क्षेत्राधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने तथा यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था भंग करने वाले शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिले की अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। गढ़मुक्तेश्वर तहसील में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 34 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं धौलाना तहसील में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में 36 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 05 शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 105 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 17 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी हापुड़, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में भाषण एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल नूरपुर बिजनौर मे भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता विद्यालय में सभी पांच हाउसो सुभाष हाउस, गांधी हाउस, टैगोर हाउस, भगत सिंह हाउस और तेज हाउस के बीच भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सभी हाउस के कक्षा 3 से 8 तक के के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता का विषय क्या स्मार्टफोन छात्रों को ज्यादा आलसी बनाते हैं या ज्यादा स्मार्ट?" और वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय "क्या स्कूल के असाइनमेंट के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स के इस्तेमाल की इजाजत होनी चाहिए थे। प्रथम स्थान पर तेज हाउस, द्वितीय स्थान पर टैगोर हाउस, तृतीय स्थान पर सुभाष हाउस एवं भगत सिंह हाउस रहे। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 3 से हितांशी, जसप्रीत, गर्वित, सिमरा, सनाया, कक्षा 4 से अवनी, ख्याति, श्री, सिद्रा अल शिद्रा, कक्षा 5 से इनाया, अर्हम, पार्थ, आव्या, स्वस्ति श्रेष्ठ रहे। वाद विवाद प्रतियोगिता में कक्षा 6 से यथार्थ, यश, पुष्टि, मान, अफान, राधिका, हुमायरा, अफान, धैर्य, मानवी, कक्षा 7 से आदर्श, प्रीत, भूमि, कुंज, मिशा, सत्यम ,अभिनव, पियूष, राघव, सलीहा, कक्षा 8 से ध्रुवी, सिद्रा,मानवी, ईशप्रीत, अनन्या, रहमा, खुशी, तन्वी, कनक श्रेष्ठ रहे। प्रतियोगिता के आयोजन में वाइस प्रिंसिपल अर्चना राजपूत,समन्वयक दीपक कुमार, गतिविधि प्रभारी अंशुल कुमार, विपिन कुमार, आदि शिक्षकों ने योगदान दिया। प्रबंध निदेशक मंदीप सिंह एवं प्राचार्य अवनीश कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया एवं बताया भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का मुख्य महत्व विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और प्रभावी संचार कौशल को विकसित करना है। यह प्रतियोगिता छात्रों को किसी भी विषय पर तार्किक ढंग से विचार करने और अपने पक्ष को मजबूती से रखने योग्य बनाती है।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, जिलाधिकारी-एसएसपी ने तैयारियों की समीक्षा की

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता, सभी विभागों को समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। श्रावण मास के पावन अवसर पर निकलने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सौहार्द का महापर्व है। श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कांवड़ मार्गों को पूरी तरह गड्ढामुक्त बनाने, नियमित साफ-सफाई कराने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, पेयजल, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, अग्निशमन व्यवस्था तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी मूलभूत सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, पंचायती राज विभाग एवं पुलिस सहित सभी संबंधित विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कांवड़ मार्गों से अतिक्रमण हटाने, नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने देने के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करें और जहां भी कोई समस्या सामने आए, उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित करें, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें समय से आयोजित कराने के निर्देश दिए।

छाता तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 46 शिकायतों में 5 का मौके पर किया गया निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। मथुरा जिले की छाता तहसील में अगस्त माह का पहला संपूर्ण समाधान दिवस उप जिलाधिकारी अखिलेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समाधान दिवस में विभिन्न गांवों से अपनी समस्याएं लेकर बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। इस दौरान कुल 46 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में तहसीलदार सचिन पवार क्षेत्राधिकारी भूषण वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाया। वही तहसील परिसर में शौचालय सहित गंदगी का माहौल देखने को मिला जहां साफ-सफाई का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है तहसील परिसर के मुख्य गेट से प्लास्टर भरवारा कर गिर पड़ा गनी मत रही कि उसके नीचे कोई आमजन न होकर सिर्फ बाइक खड़ी थी वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था। समाधान दिवस में एक भावुक मामला गांव सेमरी से सामने आया, जहां रामबती नामक एक महिला ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका पति मानसिक रूप से अस्वस्थ (मंदबुद्धि) है। महिला ने आशंका जताई कि कहीं उसके पति द्वारा बच्चों की पैतृक संपत्ति किसी अन्य व्यक्ति के नाम न कर दी जाए। उसने प्रशासन से अपने बच्चों के हितों की रक्षा करने और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। इस पर उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जो अधिकारी समाधान दिवस पर उपस्थित नहीं थे उनकी जांच कराकर कारण बताओं नोटिस भारत करने की भी बात कही और उप जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारियों की जनता हितों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने किया लोहारी-सिल्लीबंड-कन्स्यारी मोटरमार्ग का स्थलीय निरीक्षण

क्षतिग्रस्त कॉजवे की मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे ने शनिवार को लोहारी-सिल्लीबंड-कन्स्यारी मोटरमार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सड़क एवं क्षतिग्रस्त वेंटेड कॉजवे की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कुमरौड़ा के समीप क्षतिग्रस्त कॉजवे की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य को जनहित में प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि सड़कें विकास की नींव होती हैं, इसलिए निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा संबंधित अवर अभियंता से समय-समय पर प्रगति आख्या प्राप्त की जाए। साथ ही अधिशासी अभियंता स्वयं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण कर समयबद्ध तरीके से लोगों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता को निर्देश दिए कि तीन दिन के भीतर मरम्मत कार्य प्रारंभ कर एक माह के अंदर कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने संबंधित जूनियर इंजीनियर को निर्माण कार्य शुरू होने के बाद प्रतिदिन जीपीएस युक्त फोटोग्राफ के साथ प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा क्षतिग्रस्त स्थल पर तत्काल चेतावनी एवं सूचना संबंधी साइनबोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए, जिससे आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता गोविंद नाथ ने जिलाधिकारी को बताया कि मोटरमार्ग के प्रथम चरण का कार्य वर्ष 2024 में पूर्ण किया जा चुका है। वहीं द्वितीय चरण के निर्माण कार्य का आगणन तैयार कर शासन को स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी गरुड़ वैभव कंडपाल सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर का असर: पानीगांव में ट्रांसफार्मर की खराबी हुई दूर

उमसभरी गर्मी में बिजली का करें कम से कम इस्तेमाल, बिजली चोरी से भी बचें: अजित सिंह, एसडीओ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। लक्ष्मीनगर फीडर के अंतर्गत आने वाले पानीगांव में लंबे समय से चली आ रही बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर की एमसीबी के बार-बार ट्रिप होने की समस्या को लेकर ग्रामीणों के प्रदर्शन तथा मीडिया में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने का असर आखिरकार देखने को मिला। खबर सामने आते ही बिजली विभाग हरकत में आया और एसडीओ लक्ष्मीनगर अजित सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित जेई देवकरन सिंह को पानीगांव भेजकर समस्या का समाधान कराया। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ग्रामीण क्षेत्रों में 18 से 20 घंटे बिजली आपूर्ति के निर्देशों के बावजूद पानीगांव में लंबे समय से अनियमित रूप से बिजली कटौती हो रही थी। वहीं, ट्रांसफार्मर की एमसीबी बार-बार ट्रिप होने से उमसभरी गर्मी में ग्रामीणों को घंटों बिजली के बिना रहना पड़ रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार टोल-फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। लगातार अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने पिछले दिनों प्रदर्शन करते हुए एसडीओ लक्ष्मीनगर और संबंधित जेई के खिलाफ नारेबाजी भी की थी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया ने ग्रामीणों की समस्या को प्रमुखता से उठाया। खबर प्रकाशित होते ही बिजली विभाग में हलचल मच गई। एसडीओ अजित सिंह ने तत्काल जेई देवकरन सिंह को मौके पर भेजकर ट्रांसफार्मर की एमसीबी सहित अन्य तकनीकी खामियों को दूर कराने के निर्देश दिए। विभागीय टीम ने गांव पहुंचकर आवश्यक मरम्मत कार्य किया, जिसके बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हो गई। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि अब उन्हें बार-बार बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर की खराबी जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं, लोगों ने उनकी आवाज को प्रमुखता से उठाने के लिए मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि खबर प्रकाशित होने के बाद ही विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। एसडीओ अजित सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा चार्ज होने के कारण ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त लोड पड़ रहा था, जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए एमसीबी सहित अन्य तकनीकी खामियों का निस्तारण करा दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि उमसभरी गर्मी के दौरान आवश्यकता के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें, ताकि अतिरिक्त लोड के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय जनता से अनाधिकृत रूप से बिजली चोरी न करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी की स्थिति में विभाग को नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

रात्रि गश्त के दौरान पुलिस जीप में पीछे से घुसा बेकाबू ट्रक, तीन पुलिसकर्मी घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना फरह क्षेत्र में शनिवार देर रात रात्रि गश्त के दौरान एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। रैपुरा जाट चौकी पुलिस की सरकारी जीप को भीमनगर पुलिया के पास पीछे से आए एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पुलिस जीप और ट्रक दोनों सड़क किनारे खाई में जा गिरे। हादसे में पुलिस की सरकारी जीप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के समय जीप में सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। इनमें एक पुलिसकर्मी की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर किया गया, जबकि दो अन्य घायल पुलिसकर्मियों का स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। दुर्घटना में ट्रक चालक भी घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही थाना फरह पुलिस और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक अनियंत्रित होकर पीछे से पुलिस वाहन से टकराया था। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारियों ने बताया कि पुलिस जीप में तीन जवान सवार थे। बेकाबू ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। मामले की जांच की जा रही है। एक जवान की हालत गंभीर है जबकि दो जवानों को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा कार्यालय में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग पर कांग्रेसी आक्रोशित

लोग आपदा से त्रस्त, भाजपाई अपने कार्यालय की सफाई कराने में मस्त : ललित फर्स्वाण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। 28 और 29 जुलाई को हुई भारी बारिश के बाद जिला मुख्यालय के मंडलसेरा क्षेत्र में स्थानीय लोगों के घरों में सड़क के नाले का पानी घुस गया। एक ओर जहां लोग आपदा से परेशान रहे, वहीं सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यालय की सफाई के लिए फायर ब्रिगेड और जल संस्थान के वाहनों के उपयोग का वीडियो वायरल होने के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा और प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने सबसे पहले वीडियो के आधार पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब मंडलसेरा क्षेत्र के लोगों के घरों में बरसाती नाले का पानी घुस रहा था और राहत कार्य की आवश्यकता थी, तब प्रशासन ने पहले भाजपा कार्यालय की सफाई कराई। उन्होंने इसे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग बताते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। इसके बाद कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि भारी बारिश के दौरान मंडलसेरा सहित कई क्षेत्रों में लोगों के घरों में पानी और कीचड़ भर गया था। प्रभावित लोगों ने जेसीबी और राहत कार्य की मांग की, लेकिन प्रशासन ने जनहित के बजाय भाजपा कार्यालय की सफाई को प्राथमिकता दी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने सत्तारूढ़ दल के नेताओं को खुश करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि जब क्षेत्रीय लोगों के घरों में पानी घुस रहा था, तब फायर ब्रिगेड और जल संस्थान के टैंकरों को पहले वहां लगाने के बजाय भाजपा कार्यालय की सफाई में क्यों लगाया गया। उनका कहना था कि फायर विभाग का कार्य आग बुझाना और आपदा राहत देना है, किसी राजनीतिक दल के कार्यालय की सफाई करना नहीं। उन्होंने मांग की कि सरकारी संसाधनों का उपयोग निष्पक्ष और जनहित में किया जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा।

सरकारी पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

गरुड़ (बागेश्वर)। सरकारी पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, गरुड़ शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष उमेद सिंह रावत ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक शाखा के महामंत्री सुरेन्द्र वर्मा द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से पेंशनभोगियों से जुड़े विभिन्न विभागीय मामलों और उनकी समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वन विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग और ग्रामीण अभियंत्रण सेवा समेत विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।बैठक में पुरानी पेंशन बहाली,काल्पनिक वेतन वृद्धि का लाभ,पेंशन में किश्तवार बढ़ोत्तरी,पेंशन कम्प्यूटेशन अवधि में कटौती की सीमा को11 वर्ष करने,सहित अन्य मांगों को लेकर सरकार से सहयोग की अपील की।इस दौरान कई प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक में जिला स्तर के पदाधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें जिला कोषाध्यक्ष भुवन चन्द्र जोशी और जिला महामंत्री थान सिंह कनवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने पेंशनर्स के हितों की रक्षा और संगठन की मजबूती पर बल दिया। इस मौके पर नवल किशोर जोशी, हरीशचन्द्र पुरोहित, देवकी जोशी, रेखा जोशी, नारायण सिंह भैसोड़ा, हरीश सिंह भैसोड़ा, आनंद बल्लभ, मदन सिंह बिष्ट, शंकर सिंह बिष्ट, शंकर दत्त काण्डपाल, शंकर दत्त सती, गंगा सिंह रावत, रमेश चन्द्र सिंह और दर्शन सिंह परिहार सहित कई वरिष्ठ पेंशनभोगी उपस्थित रहे।

तमसो मा ज्योतिर्गमय के संदेश के साथ कल्याणं करोति नेत्र संस्थान में सुझाव एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। तमसो मा ज्योतिर्गमय के पावन संदेश को आत्मसात करते हुए कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड, मथुरा में आज सुझाव एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नेत्र चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी, जनोपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए समाज के प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों के विचार एवं सुझाव प्राप्त करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्रीगणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर परम पूज्य भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी ने अपने प्रेरक आशीर्वचनों में कहा कि वे विगत कई दशकों से कल्याणं करोति के सेवा कार्यों से भली-भाँति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि संस्था वर्षों से दिव्यांगजनों एवं नेत्र रोगियों की निस्वार्थ सेवा में निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान, नेत्र चिकित्सा एवं पीड़ित मानव की सेवा ईश्वर की सच्ची आराधना है। जो व्यक्ति किसी के जीवन में प्रकाश लाता है, वही वास्तव में मानवता की सर्वोच्च सेवा करता है।

पूर्व महापौर, नगर निगम मथुरा मुकेश आर्यबन्धु ने कहा कि कल्याणं करोति नेत्र संस्थान ने हजारों ऐसे निर्धन एवं जरूरतमंद नेत्र रोगियों को नेत्र ज्योति प्रदान की है, जो आर्थिक अभाव के कारण अपना उपचार कराने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि संस्थान की सेवाओं का विस्तार समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा भविष्य में यह कार्य और अधिक व्यापक होना चाहिए।

सोनू गौड़ पूर्व पार्षद ने कहा कि उनके क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी अनेक ऐसे नेत्र रोगी हैं जिन्हें कल्याणं करोति की सेवाओं की आवश्यकता है। उन्होंने संस्थान से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अधिकाधिक नेत्र परीक्षण एवं निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। निरूपम भार्गव ने कहा कि कल्याणं करोति विगत अनेक वर्षों से सेवा, समर्पण एवं गुणवत्ता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्था ने अनेक चुनौतियों के बावजूद विगत वर्ष लगभग 25,000 नेत्र ऑपरेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न कर समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ग्रामीण क्षेत्रों के नेत्र रोगियों तक चिकित्सा सुविधाएँ पहुँचाने के लिए संस्थान द्वारा चार सचल नेत्र चिकित्सा वाहन के माध्यम से नियमित सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने अधिकाधिक जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा समाज के सहयोग से इन सेवाओं को और अधिक विस्तारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सात्विक उपाध्याय ने किया।

अंत में संस्थान के महासचिव ने सभी विशिष्ट अतिथियों, प्रबुद्धजनों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति कार्यक्रम में सहभागिता एवं मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि संस्थान में अब रेटिना एवं ग्लूकोमा रोगियों के लिए भी आधुनिक एवं विशेषज्ञ सेवाएँ प्रारम्भ कर दी गई हैं, जिससे ब्रज क्षेत्र के मरीजों को इन जटिल नेत्र रोगों के उपचार के लिए अन्य महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। वह भी यह आकर सेवाऐं प्राप्त कर पायेंगे।

कार्यक्रम के उपरांत सभी अतिथियों ने चिकित्सालय के विभिन्न विभागों का अवलोकन किया तथा आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण, रोगी-केंद्रित सेवाओं तथा संस्थान की सेवा-भावना की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कल्याणं करोति नेत्र संस्थान भविष्य में भी तमसो मा ज्योतिर्गमय के आदर्श को साकार करते हुए हजारों नेत्र रोगियों के जीवन में प्रकाश का संचार करता रहेगा तथा समाज सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। इस अवसर पर प्रीति लवानिया, राजवीर, ताराचन्द्र अग्रवाल, बृजकिशोर सैनी, नवनीत अग्रवाल (अध्यक्ष, राधापुरम् स्टेट), मूलचन्द्र गर्ग, रजनी बंसल, श्रीमती पुष्पा बंसल एवं ओमवती, सुधीर शर्मा, प्रबन्धक कल्याणं करोति नेत्र संस्थान आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बरसाती शिक्षा मित्र हुए सेवानिवृत विद्यालय में दी गई ससम्मान विदाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां अंतर्गत न्याय पंचायत तिलजा के प्राथमिक विद्यालय भरवलिया बूधन में कार्यरत शिक्षामित्र श्री बरसाती के कुशलता पूर्वक सेवानिवृत्त होने पर ब्लॉक के शिक्षकों और शिक्षामित्रों द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। श्री बरसाती पुराने शिक्षा मित्र हैं। बहुत सीधे सरल स्वभाव के हैं।बड़ी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। विद्यालय के संचालन में इनकी अहम भूमिका रही है। श्री बरसाती के सेवानिवृत्त होने पर जफीर अली, मो. आजम, मो शोएब अख्तर, राज मुनि, डॉ जहीर अहमद,मो ताहिर, आद्या प्रसाद, अब्दुर्रहीम, महमूद अहमद, राघवेंद्र प्रताप सिंह, मो हसन, रिफत फातमा, अजमलुर्रहमान, डॉ आशीष गौतम, सुहेल अहमद आदि ने इनके स्वस्थ्य रहने और उज्जवल भविष्य की कामना की है। शिक्षा विभाग में इनका योगदान स्मरणीय रहेगा।

गन्ने के खेत में गोली लगा मिला कबड्डी खिलाड़ी का शव

मजदूर लेने निकला था युवक, जिंदा कारतूस और खोखा मिलने से हत्या की आशंका गहराई

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला के जंगल में शनिवार सुबह गन्ने के खेत से एक युवक का गोली लगा शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जनपद बागपत के गांव ककड़ीपुर निवासी 22 वर्षीय मोहना उर्फ मोनू पुत्र सुरेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस मिलने से हत्या की आशंका और गहरा गई है। बागपत जनपद के गांव ककड़ीपुर निवासी 22 वर्षीय मोनू शनिवार सुबह करीब 5:15 बजे अपने घर से गांव नाला में मजदूरों को लेने के लिए निकला था। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव नाला के रजवाहे की पटरी के पास किसान परविंदर के गन्ने के खेत में उसका गोली लगा शव पड़ा मिला। खेत पर पहुंचे किसान ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह पुलिस बाल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार तथा अन्य पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी।पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। मौके से एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। इस घटना से गांव नाला और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह नेवी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले में तीन टीम गठित कर जल्द खुलासे के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक शामली नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही घटना का वर्कआउट किया जाएगा।

खेल जगत में भी बनाई थी पहचान

मृतक के परिजनों और ग्रामीण ने बताया कि मोहना उर्फ मोनू केवल मेहनतकश युवक ही नहीं, बल्कि एक प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ी भी था। उसने विभिन्न कबड्डी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर अपने गांव ककड़ीपुर और परिवार का नाम रोशन किया था। खेल के मैदान में उसकी फुर्ती और दमदार प्रदर्शन की चर्चा अक्सर होती थी। बाद में उसने आजीविका के लिए फसलों में दवाई स्प्रे करने का कार्य शुरू कर दिया, लेकिन खेल से उसका लगाव हमेशा बना रहा। उसकी असमय मौत से परिवार के साथ–साथ खेल प्रेमियों और गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

बंद स्ट्रीट लाइट, जर्जर सड़क और चल रहा नशे का कारोबार, जनहित सेवा समिति ने उठाई आवाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। क्षेत्र में लंबे समय से बनी गंभीर जनसमस्याओं को लेकर जनहित सेवा समिति ने अब प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समिति के पदाधिकारी रूशान अहमद ने उप जिलाधिकारी पूरनपुर को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर जनहित से जुड़े मुद्दों पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में क्षेत्र में खुलेआम बिक रहे मादक पदार्थों से लेकर जर्जर सड़कों, बंद स्ट्रीट लाइटों, झोलाछाप डॉक्टरों, प्रधानमंत्री आवास योजना और फर्जी तरीके से वाहनों पर 'प्रेस' लिखकर घूमने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई गई। रूशान अहमद ने कहा कि पूरनपुर क्षेत्र में स्मैक, नशीले इंजेक्शन, प्रतिबंधित कैप्सूल समेत अन्य मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। नशे का यह कारोबार युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है और अपराध को भी बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र को नशे के जाल से मुक्त कराया जा सके।ज्ञापन में पूरनपुर-असम रोड स्थित सिरसा चौराहे पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। समिति ने कहा कि रात के समय चौराहा अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी के साथ हादसे का खतरा बना रहता है। बंद स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की गई। समिति ने पूरनपुर ब्लॉक रोड की जर्जर हालत पर भी कड़ा आक्रोश जताया। बरसात में जलभराव के कारण सड़क पर आवागमन मुश्किल हो जाता है। समीप ही महिला अस्पताल होने के कारण मरीजों और गर्भवती महिलाओं को भी परेशानी उठानी पड़ती है। समिति ने सड़क की तत्काल मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराने की मांग की।इसके साथ ही बिना पंजीकरण और मानकों के विपरीत संचालित निजी अस्पतालों तथा झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग से अभियान चलाकर कार्रवाई की मांग की गई।

सिपाही का कथित ऑडियो वायरल, व्यापारी ने सीएम हेल्पलाइन पर लगाई सुरक्षा की गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना कांधला में तैनात एक सिपाही का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। वायरल ऑडियो में सिपाही पर कस्बे के एक व्यापारी से गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि, वायरल ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और पुलिस प्रशासन की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।कस्बा निवासी सचिन, दिल्ली बस अड्डे पर हलवाई की दुकान संचालित करता हैं, पीड़ित का आरोप है कि थाना कांधला में तैनात सिपाही अजय ने फोन पर उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। वायरल ऑडियो में कथित रूप से सिपाही यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि कोतवाल से बात करो, दोबारा मुझे फोन मत करना, नहीं तो जान से मार दूंगा।पीड़ित सचिन ने अपनी सुरक्षा को खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई है और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। सोशल मीडिया पर ऑडियो वायरल होने के बाद लोग इस पर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।मामले में सिपाही अजय का पक्ष जानने के लिए उनसे फोन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। फिलहाल वायरल ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह समाचार सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो और पीड़ित द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर प्रकाशित किया गया है। पुलिस प्रशासन की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

मासिक पंचायत में गरजे किसान, भ्रष्टाचार और किसानों की समस्याओं पर प्रशासन को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की जिला स्तरीय मासिक किसान पंचायत शनिवार को कृषि विश्राम गृह, मंडी परिषद परिसर में प्रदेश संगठन मंत्री शिवचरण लाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। पंचायत के उपरांत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सात सूत्रीय मांगपत्र जिलाधिकारी के नाम संबोधित करते हुए तहसीलदार पीलीभीत को सौंपा गया। पंचायत में जिले भर से पहुंचे पदाधिकारियों ने प्रशासनिक व्यवस्था, भ्रष्टाचार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर तीखा हमला बोला। जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने आरोप लगाया कि जिले में भूमि विवादों का फर्जी निस्तारण किया जा रहा है, जिससे आपसी विवाद बढ़ रहे हैं और भू-माफियाओं को बढ़ावा मिल रहा है। जिला महासचिव रघुवर सिंह प्रजापति ने परिवहन विभाग के बाहर सक्रिय दलालों पर ड्राइविंग लाइसेंस के नाम पर किसानों से मोटी रकम वसूलने का आरोप लगाते हुए जिला परिवहन अधिकारी से कार्रवाई की मांग की। जिला सचिव बालमुकुंद प्रजापति ने श्रम विभाग में व्याप्त कथित रिश्वतखोरी पर सवाल उठाते हुए गरीब मजदूरों के शोषण को बंद कराने की मांग की। वहीं जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने यातायात पुलिस पर किसानों और मजदूरों का उत्पीड़न करने तथा चालान के नाम पर अवैध वसूली करने का आरोप लगाया।तहसील अध्यक्ष नंदकिशोर राठौर ने किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग रखी। बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष राकेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री आवास योजना में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की। बीसलपुर तहसील अध्यक्ष नागेंद्र कुशवाहा ने सभी तहसीलों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

पंचायत में बरेली मंडल प्रभारी सुशील मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राजपूत, विनोद कुमार, महेंद्र कश्यप, निर्मल स्वरूप मौर्य, बेणीराम मौर्य, भजन, मुरारी लाल, फकीरे लाल, बेचेलाल, हरिशंकर, विशाल, छोटेलाल, मोहनलाल, बालकरण, सम्मेलन, शंकर लाल, वीरेंद्र गिरी सहित बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी एवं सैकड़ों किसान मौजूद रहे। पंचायत में चेतावनी दी गई कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

धान की फसल की सफाई के दौरान किसान को सांप ने डसा, जिला अस्पताल किया रेफर

वेलकम इंडिया संवाददाता

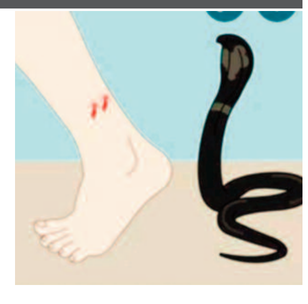

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली में खेत पर धान की फसल की सफाई कर रहे एक किसान को सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। राहत की बात यह रही कि किसान की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।शनिवार को गांव इस्लामपुर घसौली निवासी किसान मेहरबान खान अपने खेत में धान की फसल की सफाई कर रहे था। इसी दौरान झाड़ियों के बीच छिपे एक सांप ने उसके पैर में डस लिया। सांप के काटते ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्होंने तत्काल परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में नगर के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे।अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।सरकारी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बरसात के मौसम में खेतों और झाड़ियों में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में खेतों में काम करने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए तथा आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसान को समय पर उपचार मिल गया, जिससे वह फिलहाल खतरे से बाहर है।

प्रधान राजेश त्रिपाठी सोनी मोनी का विकास कार्य, अन्य प्रधानो के सामने गम्भीर सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। बडे बुजुर्ग और विद्वान कहते है कुछ करने के लिए मजबूत इरादे और आत्म विश्वास की जिद होनी चाहिए । कुछ सा ही किया नौजवान राजेश त्रिपाठी सोनी मोनी ने कि एक बार हाथ मे स्टीयरिंग मिलने के बाद विकास के लिए गाडी कुछ यू दौडायी कि रुकने का नाम ही नही लेती। शायद इसीलिए राजेश त्रिपाठी को देश के प्रतिष्ठित अखबारो ने सम्मानित किया तो वही प्रदेश सरकार ने भी लखनऊ बुला पीठ तपथपा वाह वाही की ।

खंड विकास क्षेत्र रामपुर संग्रामगढ की ग्राम सभा ढिगवश विकास कार्यो मे नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। ढिगवश ग्राम सभा मे हुए विकास कार्यो को देख समर्थक तो छोडिए विरोधी भी दबी जुबान से वाह वाह कर रहे है, तो वही आस पास की ग्राम सभा के लोग कहते है ग्राम प्रधान हो तो सोनी मोनी जैसा। जनपद की लालगन्ज तहसील का गाव ढिगवश किसी परिचय का मोहताज कभी नही रहा । तो वही अपने बलबूते नौजवान युवक राजेश त्रिपाठी ने विकास का रथ कुछ यू दौडाया कि ढिगवश के नाम के साथ साथ उनका नाम भी किसी परिचय का मोहताज नही है।

राजशाही ढिगवश मे राजा रानियो शासन था। यहा के राजा ढिगवश का महल आज भी ग्राम ढिगवश मे शान से खडा है ।जहा एक विधालय संचालित हो रहा है तो प्रतापगढ़ मुख्यालय के पास राजा ढिगवश की कोठी के नाम से एक शानदार महलनुमा आवास मे राजा ढिगवश की सन्ताने रह रही है । तो इसी ढिगवश गाँव मे कयी बडे वकील बडे बडे किसान है तो ढिगवश गाँव ने देश को बडे अफसर व व्यापारी भी दिए ।फिर भी ढिगवश ग्राम सभा विकास मे पिछड़ी रही।

पिछले पंचवर्षीय पंचायत चुनाव मे मन मे एक जिद विकास के लिए रख युवा राजेश त्रिपाठी सोनी मोनी ने ग्राम प्रधान पद के लिए ताल ठोक दी । जिसका ग्रामीणो ने विकास की नयी उम्मीद की किरण मान भरोसा किया और एक बडी जीत दे ग्राम प्रधान चुना। सोनी मोनी ने भी कुछ दिन खामोश रह चीजो को समझा और जब विकास का पहिया दौडाना शुरू किया तो क्या मजाल जो कोई इसे रोक देता। ग्राम प्रधान सोनी मोनी के विकास करने की भूख है कि मिटती ही नही बल्कि जितना विकास हो रहा है उससे कदापि सन्तुष्ट हुए बिना और बस और की आवाज के साथ नित नये एतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर रही है ।जिसका परिणाम है कि आज ग्राम सभा ढिगवस मे लगभग हर तरफ डामर रोड आर सी सी मार्ग का जाल बिछ गया है । पानी निकासी के लिए बेहतर नालिया बन गयी है। जगह जगह लोगो के बैठने के लिए सीमेन्टेड सीट लगी है । गलियो मे स्ट्रीट लाइट है तो वही कयी जगह हाईमास्ट लाईट्स से ग्राम सभा ढिगवश मे रात मे जैसे सूर्य चमक रहा प्रतीत होता है। किसानो की समस्या को देखते हुए लगभग बीस वर्ष बाद गाव की नहर मे टेल तक पानी पहुचाने का काम भी ग्राम प्रधान राजेश त्रिपाठी ने किया। ग्राम प्रधान सोनी मोनी के कामो के चर्चो को देखते हुए एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समाचार पत्र ने राजेश त्रिपाठी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तो वही जिला प्रशासन प्रतापगढ़ और यू पी गवर्नमेंट ने भी प्रधान ढिगवश को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र देते हुए उनकी जिद और हौसले को सलाम किया।

ड्राइवर पर युवती को खेत में ले जाकर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

कांधला। थाना क्षेत्र की एक युवती ने अपने कार ड्राइवर पर बहाने से खेत में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है किसी तरह आरोपित के चंगुल से निकलकर भागी और परिजनों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शनिवार को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर मैं बताया कि शुक्रवार सुबह उसका कार ड्राइवर उसे घर से यह कहकर बाइक पर बैठाकर ले गया कि कैराना से घर का सामान लाना है। रास्ते में उसने युवती को स्कूल छोड़ने की बात कही, लेकिन स्कूल ले जाने के बजाय सुनसान खेतों की ओर पहुंच गया।आरोप है कि वहां उसने अपने दो अन्य साथियों को भी बुला लिया। युवती ने खतरा भांपते हुए शोर मचाया और किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। बाद में उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जनसमस्याओं की आवाज को ही उठाने से पहले भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय को हाउस अरेस्ट करने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जनसमस्याओं को लेकर आवाज उठाने से पहले ही भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय को पुलिस-प्रशासन द्वारा हाउस अरेस्ट किए जाने का आरोप सामने आया है। शनिवार को सौरभ भारतीय ने आरोप लगाया कि ग्राम पुरैना में प्रस्तावित पुल निर्माण सहित क्षेत्र की वर्षों से लंबित विभिन्न जनसमस्याओं को झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के समक्ष रखने के लिए वह जाने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस और प्रशासन ने उन्हें घर में नजरबंद कर दिया।सौरभ भारतीय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की समस्याओं को शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से शासन-प्रशासन के समक्ष रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित के मुद्दे उठाने से पहले ही किसी सामाजिक कार्यकर्ता को हाउस अरेस्ट करना लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यदि जनता की मूलभूत समस्याओं को उठाना भी अपराध माना जाएगा तो आम लोगों की आवाज आखिर कौन उठाएगा।उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि क्षेत्र में पुल निर्माण, जर्जर सड़कों, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कई स्थानों पर सड़क और पुल की समस्या के कारण लोगों को लंबा चक्कर काटकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ता है।

सौरभ भारतीय ने दावा किया कि जनसमस्याओं का समाधान न होने से क्षेत्र के लोगों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान बरेली और पीलीभीत क्षेत्र की करीब एक दर्जन ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार तक किया था।

अधिकारियों के सामने जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी चुनौतियां होंगी: भूपेंद्र यादव

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए), में प्रशिक्षणरत 2024 बैच के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परिवीक्षार्थियों का दीक्षांत समारोह आज वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के दीक्षांत गृह में सम्पन्न हुआ। समारोह में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले परिवीक्षार्थियों को विभिन्न पुरस्कार एवं पदक प्रदान किए गए।

राजस्थान संवर्ग की सुश्री प्रतीक्षा नानासाहेब काले बैच की टॉपर रहीं। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा उन्होंने सफल परिवीक्षार्थियों को प्रमाणपत्र एवं पदक प्रदान किए।

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें देश की एक प्रतिष्ठित अकादमी से तकनीकी एवं नेतृत्व संबंधी उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब ये अधिकारी अपने सेवा जीवन के सर्वश्रेष्ठ दौर में होंगे, तब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा होगा और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में अधिकारियों के समक्ष जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण तथा मरुस्थलीकरण जैसी गंभीर चुनौतियाँ होंगी। इन चुनौतियों के समाधान के लिए नवाचार, आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा जनभागीदारी को समान महत्व देना होगा।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग केवल आँकड़ों के संग्रह एवं विश्लेषण तक सीमित न रहकर मानवीय संवेदनाओं के साथ व्यावहारिक समाधान विकसित करने में होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन के अंत में कहा कि एक अच्छा अधिकारी वही है जो सबसे पहले एक अच्छा इंसान हो। उन्होंने अधिकारियों से आत्ममूल्यांकन और आत्मबोध को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक अधिकारी की जीवन यात्रा अलग होगी और उन्हें अपने अनुभवों से निरंतर सीखते हुए समाज एवं राष्ट्र की सेवा में उत्कृष्ट योगदान देना होगा। अंत में उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं तथा उनके परिजनों को शुभकामनाएँ दीं। इससे पहले इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खजूरिया ने निदेशक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि पूर्व में इंडियन फॉरेस्ट कॉलेज और वर्तमान में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी के रूप में यह संस्थान वर्ष 1938 से देश की सेवा कर रहा है। स्वतंत्र भारत के सभी भारतीय वन सेवा अधिकारियों तथा 14 मित्र देशों के 369 वन अधिकारियों ने अब तक इस संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। न्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षीय अध्ययन के साथ-साथ वानिकी, वन्यजीव प्रबंधन, पर्यावरणीय सुशासन, उन्नत प्रौद्योगिकी तथा नेतृत्व विकास पर विशेष बल दिया गया। कुल प्रशिक्षण अवधि का लगभग 45 प्रतिशत भाग देश के विविध पारिस्थितिक क्षेत्रों में आयोजित क्षेत्रीय अभ्यासों, अध्ययन भ्रमणों एवं साहसिक गतिविधियों को समर्पित रहा।

दीक्षांत समारोह में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव सुशील कुमार अवस्थी, चेयरमैन-सीईसी सी.पी. गोयल, अपर वन महानिदेशक संतोष तिवारी, अपर वन महानिदेशक रमेश कुमार पाण्डेय, अपर सचिव अमनदीप गर्ग, महानिदेशक, आईसीएफआरई श्रीमती कंचन देवी, निदेशक, आईजीएनएफए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खजूरिया, अपर निदेशक, आईजीएनएफए एन.सी. सरवणन, वन महानिरीक्षक डॉ. वी. क्लेमेंट बेन, निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान डॉ. जी.एस. भारद्वाज, निदेशक, एफआरआई सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, देहरादून स्थित वानिकी एवं अन्य संस्थानों के प्रमुख, आईजीएनएफए एवं केंद्रीय अकादमी राज्य वन सेवा के संकाय सदस्य एवं कर्मचारी, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा अधिकारी, केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी तथा 2024 बैच के पास आउट अधिकारियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

41 दिन की खड़ी तपस्या में लीन हुए महाराज सूरज पारासर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के पूर्वी यमुना नहर स्थित प्राचीन मनकामेश्वर महादेव मंदिर इन दिनों श्रद्धा, आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। देश में सुख-शांति, अमन-चैन, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना को लेकर मोहल्ला रायजादगान निवासी महाराज सूरज पारासर ने यहां 41 दिन की कठिन खड़ी तपस्या शुरू की है। उनकी इस अनूठी साधना के दर्शन और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं।मंदिर के पुजारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि महाराज सूरज पारासर पूरी श्रद्धा, नियम और विधि-विधान के साथ भगवान शिव की आराधना में निरंतर लीन हैं। शनिवार को उनकी तपस्या का 13वां दिन पूर्ण हो गया। उन्होंने बताया कि यह कठिन साधना लगातार 41 दिनों तक चलेगी, जिसके दौरान महाराज देशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि, सामाजिक सौहार्द और विश्व कल्याण की कामना कर रहे हैं।मंदिर परिसर में प्रतिदिन सुबह-शाम श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजा-अर्चना और आरती कर रहे हैं। हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। आसपास ही नहीं, बल्कि दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर महाराज का आशीर्वाद ले रहे हैं और तपस्या की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।पुजारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि 41 दिन की तपस्या पूर्ण होने के बाद मनकामेश्वर महादेव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें क्षेत्र एवं आसपास के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर प्रशासन ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

मेरठ में फर्जी पुलिस गैंग का भंडाफोड़

इंस्टाग्राम पर फंसाते थे शिकार, फर्जी पुलिस कार्यालय बनाकर देते थे एनकाउंटर और जेल भेजने की धमकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। मेरठ पुलिस ने फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर अपहरण, रंगदारी और वसूली करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश किया है। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में सक्रिय यह गिरोह इंस्टाग्राम के माध्यम से युवकों को अपने जाल में फंसाता था और फिर खुद को थाना प्रभारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी निरीक्षक और उपनिरीक्षक बताकर उनका अपहरण कर मोहकमपुर स्थित एक फर्जी पुलिस कार्यालय में ले जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी पीड़ितों को फर्जी एफआईआर और पुलिस दस्तावेज दिखाकर एनकाउंटर, जेल भेजने और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाते थे। इसी तरह गिरोह ने नीरज पाल नामक युवक से दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी और उसके गूगल पे खाते से 10 हजार रुपये भी ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित की शिकायत पर ब्रह्मपुरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में गिरोह के दो आरोपियों राहुल पाल और आकाश को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिना नंबर प्लेट की ऑल्टो कार, वॉकी-टॉकी, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल फोन, टेलीफोन, बीट बुक, पुलिस की मोहर, नेम प्लेट, बेंत, फोन-पे रिसीवर बॉक्स तथा फर्जी पुलिस दस्तावेज सहित बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किया है। बरामद सामग्री से आरोपियों द्वारा संचालित फर्जी पुलिस नेटवर्क का खुलासा हुआ है। मेरठ पुलिस का कहना है कि पुलिस की वर्दी, पद और पहचान का दुरुपयोग कर जनता को डराने तथा अवैध वसूली करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

7 अगस्त से नहर पटरी पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद, कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस की सख्त तैयारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। आगामी कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। 7 अगस्त से स्याना-ऊंचागांव नहर पटरी मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान कांवड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस ने कई स्थानों पर बैरियर लगाने और वैकल्पिक यातायात मार्ग निर्धारित किए हैं। थाना नरसेना क्षेत्र के बुकलाना व घुंघराली मार्ग सहित नहर पटरी को प्रमुख कांवड़ मार्ग घोषित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत नरसेना, ऊंचागांव, भगवानपुर, रूखी भट्टा सहित विभिन्न स्थानों पर बैरियर लगाए जाएंगे, ताकि भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह रोका जा सके। एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान 40 एसपीओ तैनात किए गए हैं। इसके अलावा आधा दर्जन पुलिसकर्मी कांवड़ियों के वेश में विभिन्न स्थानों पर गश्त करेंगे और असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। पुलिस ने गांव मवई में अस्थायी पुलिस चौकी भी स्थापित कर दी है। वहीं सुलैला राजवाहा, बुकलाना राजबाहा पुलिया, फरीदा बांगर, मवई, थाना गजरौला, रहटी प्याऊ और नगला मदारीपुर समेत प्रमुख चौराहों पर पुलिस पिकेट तैनात की गई है।

यात्रा मार्ग पर निगरानी के लिए 9 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में खानपुरझ्रस्यानाझ्र नरसेनाझ्रदौलतपुरझ्रबुगरासी मार्ग निर्धारित किया गया है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था में सहयोग करें और प्रतिबंधित मार्ग का उपयोग न करें, ताकि कांवड़ यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज में मुख स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संयुक्त चिकित्सालय, बुलंदशहर के दंत चिकित्सा विभाग द्वारा मुख स्वच्छता दिवस के अवसर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और दांतों व मसूड़ों की नियमित देखभाल के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित कुमार के मार्गदर्शन में चिकित्सकों ने मरीजों, उनके परिजनों और बच्चों को सही तरीके से दांत साफ करने की विधि, दिन में दो बार ब्रश करने, कम से कम दो मिनट तक ब्रश करने तथा नियमित दंत परीक्षण के महत्व की जानकारी दी। दंत रोग विशेषज्ञों ने बताया कि अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन, तंबाकू का उपयोग और मौखिक स्वच्छता की अनदेखी दांतों और मसूड़ों की बीमारियों का प्रमुख कारण है। लोगों को संतुलित आहार अपनाने और समय-समय पर दंत चिकित्सक से जांच कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से बच्चों के दांतों की देखभाल पर जोर देते हुए अभिभावकों को दूध के दांतों की भी नियमित सफाई और देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों की दंत संबंधी समस्याओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. अल्का रानी (सहायक आचार्य), डॉ. आयुषी जैन (वरिष्ठ रेजिडेंट), डॉ. मोहम्मद रिजवान नज्जान (जूनियर रेजिडेंट) सहित विभाग के अन्य चिकित्सक एवं डेंटल हाइजीनिस्ट मौजूद रहे। अंत में दंत चिकित्सा विभाग ने सभी नागरिकों से स्वस्थ जीवन के लिए नियमित रूप से दांतों की देखभाल और समय-समय पर दंत परीक्षण कराने की अपील की।

आरएसएमटी में नवप्रवेशी छात्रों के अभिमुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ

'बड़े सपने देखें, उत्कृष्टता को लक्ष्य बनाएं' का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। यूपी कॉलेज परिसर स्थित राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (आरएसएमटी) में बीबीए एवं बीसीए के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए छात्र अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं संस्थापक राजर्षि उदय प्रताप सिंह जूदेव के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। निदेशक प्रभारी प्रो. (डॉ.) अमन गुप्ता ने विद्यार्थियों से अनुशासन, निरंतर अध्ययन एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि कमांडर वी.के. जेटली ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, समय का सदुपयोग करने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अंकुर चड्ढा ने सही सूचना की पहचान, सकारात्मक सोच और प्रभावी संचार कौशल को सफलता की कुंजी बताया। वहीं साहित्यकार डॉ. नीरजा माधव ने भारतीय संस्कृति, भाषा की शुद्धता और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आधुनिकता के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। पीआरएसआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र मेहता ने तकनीकी ज्ञान के साथ संवाद कौशल, टीमवर्क और जनसंपर्क को सफलता का आधार बताया। यूपी कॉलेज परिसर के समन्वयक प्रो. मनोज कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा के मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, प्रशिक्षण, प्लेसमेंट, नवाचार एवं अनुशासन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। अंत में डॉ. प्रीति सिंह एवं डॉ. सी.पी. सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गरिमा आनंद ने किया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नोएडा नौकरी करने गए 17 वर्षीय किशोर का हरियाणा के पलवल में मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के बिन्नेर देवी मोड़ के समीप रहने वाले 17 वर्षीय किशोर सौरभ अहेरिया पुत्र गोपाल का शव हरियाणा के पलवल में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है। मृतक के परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए नोएडा और पलवल पुलिस पर ठोस कार्रवाई न करने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक के पिता गोपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पड़ोस की एक महिला सौरभ को नौकरी दिलाने के बहाने नोएडा लेकर गई थी। इसके बाद सौरभ 22 जुलाई से नोएडा स्थित अपने आवास से लापता चल रहा था। परिजनों का कहना है कि उन्होंने 23 जुलाई को नॉलेज पार्क थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके पश्चात, 26 जुलाई की शाम पलवल पुलिस ने एक किशोर का शव मिलने की सूचना दी। 27 जुलाई को परिजन पलवल पहुंचे, शव की शिनाख्त की और पोस्टमार्टम के बाद उसे घर ले आए। पिता गोपाल ने आरोप लगाया है कि उसके पुत्र सौरभ को नौकरी के नाम पर ले जाने वाली पड़ोस की महिला और उसके बेटों ने ही उसकी हत्या की है, जिसकी तहरीर नॉलेज पार्क पुलिस को दे दी गई है। बार-बार थाने के चक्कर काटने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण अभी तक मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ पाया है। सौरभ अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और उसके परिवार में एक छोटा भाई तथा एक बहन हैं। मेहनत-मदूरी करने वाला यह पीड़ित परिवार अब पुलिस से जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने और इंसाफ की गुहार लगा रहा है।

युवक ने खुद अबैध तंमचे से गोली मारकर की आत्महत्या

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। डिबाई कोतवाली क्षेत्र के गांव औरंगाबाद कसेर में युवक ने अबैध तंमचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली।जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक पांच बहनों का इकलौता भाई था।घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार गांव औरंगाबाद कसेर निवासी नेत्रपाल सिंह उर्फ कल्लू के पुत्र धर्मेंद्र (करीब 22 वर्ष) ने शुक्रवार रात अपने घर में 315 बोर के देशी तमंचे से अपने सीने पर गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले जाने का प्रयास किया लेकिन जबतक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना जैसे ही डिबाई कोतवाली को मिली तो तुरंत डिबाई सीओ मधुप कुमार सिंह एवम डिबाई कोतवाली प्रभारी विशाल प्रताप सिंह चौहान भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके की जांच पड़ताल के बाद पुलिस को मृतक के शव के पास से एक 315 बोर का देशी तमंचा,एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।पुलिस जांच में सामने आया कि धर्मेंद्र के विरुद्ध थाना नरौरा में वर्ष 2026 का एक मुकद्दमा दर्ज था,जिसमें उस पर एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार संबंधित युवती की बरामदगी 30 जुलाई को हो चुकी थी।

दौलतपुर कलां में आरसी सेंटर पर ताला, फुटपाथ पर कूड़े के ढेर से ग्रामीण परेशान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। क्षेत्र के गांव दौलतपुर कलां में लाखों रुपये की लागत से बनाए गए आरसी (रिसोर्स रिकवरी) सेंटर पर लंबे समय से ताला लटका हुआ है। नतीजतन गांव का सूखा और गीला कूड़ा सेंटर तक पहुंचने के बजाय जहांगीराबाद-बुगरासी मार्ग के किनारे फुटपाथ पर डाला जा रहा है, जिससे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि आरसी सेंटर बनने के बाद से ही उसका उपयोग नहीं किया गया। सफाई कर्मी कूड़ा उठाने के बाद उसे सड़क किनारे ही डाल देते हैं। फुटपाथ पर पड़े कूड़े के ढेर से राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है और आसपास रहने वाले लोग बदबू से परेशान हैं। गांव में जलभराव और गंदगी के कारण बुखार समेत अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार ऊंचागांव ब्लॉक के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इस संबंध में एसडीओ पंचायत विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि उन्हें आरसी सेंटर पर ताला लगे होने की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी मिलने पर सेंटर का ताला खुलवाकर उसे संचालित कराया जाएगा तथा सड़क किनारे पड़े कूड़े को भी तत्काल हटवाने की कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरसी सेंटर को नियमित रूप से संचालित कराने और गांव की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि गंदगी और बीमारियों के खतरे से लोगों को राहत

'मुंशी प्रेमचंद मानव समाज के सच्चे और सजग कलमकार थे'-काव्य संगम एवं सम्मान समारोह में गूंजे साहित्य और सामाजिक चेतना के स्वर

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। महानगर के हरसोली, नारायणपुर स्थित स्याही प्रकाशन के उद्गार सभागार में काशी हिन्दी विद्यापीठ एवं सुदामा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद स्मृति काव्य संगम एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकारों, कवियों और बुद्धिजीवियों ने मुंशी प्रेमचंद को मानव समाज का सच्चा, सजग और जनचेतना का कलमकार बताते हुए उनके साहित्य को आज भी सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया।

वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद केवल साहित्यकार नहीं, बल्कि साहित्यिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना के दर्पण थे। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, गरीबी, शोषण, भेदभाव और कुरीतियों पर निरंतर प्रहार किया। वक्ताओं ने सुझाव दिया कि उनकी रचनाओं की पुस्तिकाएं तैयार कर जन-जन तक निःशुल्क पहुंचाई जाएं, ताकि समाज में जागरूकता का विस्तार हो और सामाजिक बुराइयों को दूर करने में मदद मिल सके। विरोध और कठिन परिस्थितियों के बावजूद प्रेमचंद ने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और जीवन भर समाज को जागृत करने का कार्य करते रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंशी प्रेमचंद के वंशज एवं लमही महोत्सव के संस्थापक डॉ. दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला न्यायाधीश एवं अंतरराष्ट्रीय गजलकार डॉ. चंद्रभाल सुकुमार तथा भारत गौरव डॉ. रामअवतार पांडेय (एडवोकेट) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव 'गणेश', डॉ. शरद श्रीवास्तव एवं विश्व जनचेतना ट्रस्ट के अध्यक्ष कवि संतोष कुमार प्रीत शामिल रहे।

कार्यक्रम के प्रमुख संरक्षक एवं काशी हिन्दी विद्यापीठ के कुलाधिपति कवि सुखमंगल सिंह 'मंगल', कुलसचिव एवं प्रमुख संयोजक कवि इन्द्रजीत तिवारी 'निर्भीक', सुदामा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव गौतम तथा स्वागत संयोजक पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवं सम्मान-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया। इसके बाद आयोजित मुंशी प्रेमचंद स्मृति काव्य संगम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। कवि सम्मेलन में विभिन्न जनपदों से आए कवियों ने अपनी ओज, हास्य, गीत, गजल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की भरपूर सराहना प्राप्त की। देवरिया के राममनोहर मिश्र 'माहिर विचित्र', रायबरेली के हास्य कवि अनुज प्रताप सिंह 'अनुज', संतोष कुमार प्रीत, चंद्रभूषण सिंह, सुखमंगल सिंह 'मंगल', गणेश लाल मेहता, डॉ. बुद्धदेव तिवारी, विनय कुमार गुप्ता 'तन्हा जौनपुरी', डॉ. विनोद कुमार वर्मा, चिंतित बनारसी, सूर्यदीप कुशवाहा, डॉ. शरद श्रीवास्तव, आनंद कृष्ण 'मासूम' तथा इन्द्रजीत तिवारी 'निर्भीक' ने अपनी-अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेमचंद के व्यक्तित्व, सामाजिक चेतना, पर्यावरण, मानवीय मूल्यों और समकालीन परिस्थितियों पर सार्थक विचार प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रभाल सुकुमार और डॉ. रामअवतार पांडेय ने भी अपनी काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भावविभोर एवं आनंदित किया। वहीं डॉ. मृत्युंजय त्रिपाठी 'मलंग', डॉ. लियाकत अली 'जलज', डॉ. पूनम गुप्ता 'पूर्वी', डॉ. संगीता श्रीवास्तव 'शिवपुरी', ईश्वरचंद पटेल तथा भजन गायक राकेश चौबे 'संगम' की प्रस्तुतियों ने भी खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन कवि इन्द्रजीत तिवारी 'निर्भीक' ने किया। अंत में डॉ. राजीव गौतम, पवन कुमार सिंह एडवोकेट, भगवती प्रसाद गोड़, श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव 'गणेश' एवं कवि सुखमंगल सिंह 'मंगल' ने सभी अतिथियों, कवियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना का एक यादगार संगम बनकर संपन्न हुआ।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 76 शिकायतों में से सिर्फ दो का निस्तारण

बार एसोसिएशन ने तहसील परिसर की जर्जर सड़क व महिला शौचालय निर्माण की मांग उठाई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील में उप जिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार की अध्यक्षता में तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 76 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।संपूर्ण समाधान दिवस पर 18 पुलिस विभाग,34 राजस्व विभाग, 12 नगर पालिका, 12 अन्य विभाग की समस्याएं आई जिनमें से दो समस्याओं का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।

इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन मोदीनगर (रजि.) के अध्यक्ष रामकुमार चौधरी एडवोकेट के नेतृत्व में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उप जिलाधिकारी गाजियाबाद को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से तहसील परिसर की जर्जर सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने तथा महिला एवं पुरुष शौचालयों की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष रामकुमार चौधरी एडवोकेट, सचिव सौरभ शर्मा एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधा रानी एडवोकेट, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सचिन शर्मा (दीक्षित) एडवोकेट, कोषाध्यक्ष सुमित शर्मा एडवोकेट, सहसचिव राखी त्यागी एडवोकेट, सांस्कृतिक सचिव सुरेन्द्र कुमार एडवोकेट, ऑडिटर मदन बिंदल एडवोकेट, मीडिया प्रभारी संजीव चिकारा एडवोकेट सहित बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे।

तहसील दिवस के दौरान एक दिव्यांग विधवा महिला को तत्काल राहत मिली। महिला अपनी राशन संबंधी समस्या लेकर एसडीएम के समक्ष पहुंची, जहां अधिकारियों ने मौके पर ही उसकी समस्या का समाधान कराया। पीड़िता महिला सुमित्रा ने एसडीएम को बताया कि केवाईसी (e-KYC) न होने के कारण पिछले माह से उसके हिस्से का 5 किलोग्राम राशन कम मिल रहा था। महिला ने बताया कि वह विधवा है और पैरों से दिव्यांग होने के कारण उसके पास आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं है। उसका जीवन सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले राशन पर ही निर्भर है। महिला की व्यथा सुनकर एसडीएम ने तत्काल संज्ञान लिया और मौके पर ही खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग की अधिकारी दीपा वर्मा ने तुरंत महिला की केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराई और उसका राशन नियमित रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि महिला का राशन किसी भी स्थिति में न काटा जाए और उसे सरकारी योजना का पूरा लाभ समय पर मिले।

टी आर एम पब्लिक स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन

नवचयनित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की दिलाई शपथ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में विनोद कुमार माहेश्वरी की प्रेरणा से छात्र परिषद के अलंकरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने नवचयनित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, अनुशासन, सेवा और समर्पण का दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी एवं निष्पक्षता के साथ निर्वहन करें, अपने उत्कृष्ट आचरण से अन्य विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनें तथा विद्यालय की गरिमा को सदैव बनाए रखें। शपथ ग्रहण के उपरांत प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने नवचयनित छात्र परिषद के सभी पदाधिकारियों को बैज एवं सैश प्रदान कर औपचारिक रूप से उनके दायित्वों का अलंकरण किया। इस अवसर पर ऋषभ सांगवान (कक्षा 12C) को हेड बॉय तथा तुलिका शर्मा (कक्षा 12C) को हेड गर्ल के रूप में अलंकृत किया गया। इसी क्रम में लोटस हाउस की कैप्टन खुशबू गोस्वामी (कक्षा 12A) एवं वाइस कैप्टन साक्षी (कक्षा 11C), रोज हाउस की कैप्टन वामिका (कक्षा 12A) एवं वाइस कैप्टन मानवी ढाका (कक्षा 11अ), जास्मिन हाउस की कैप्टन सौम्या (कक्षा 12B) एवं वाइस कैप्टन नृत्या चौधरी (कक्षा 11B) तथा पॉपी हाउस की कैप्टन वैष्णवी चौधरी (कक्षा 12A) एवं वाइस कैप्टन नव्या (कक्षा 11 A) को बैज एवं सैश प्रदान कर अलंकृत किया गया। गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने अपने संदेश में नवचयनित छात्र परिषद के सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व विनम्रता, अनुशासन, सेवा-भावना एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक होता है। शारीरिक शिक्षा विभाग के एच.ओ.डी. नरेंद्र बालियान ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच का प्रभावी संचालन श्रीमती सरिता गुलाटी एवं श्रीमती सुमन शर्मा ने किया। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों, विशेष रूप से शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं सेवा-भावना का विकास करने की दिशा में आयोजित यह अलंकरण समारोह अत्यंत प्रेरणादायी एवं सफल रहा।

सारा रोड चौड़ीकरण की मांग को लेकर किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली,एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव सारा के ग्रामीणों ने सारा रोड के चौड़ीकरण की मांग को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में ट्रैक्टर रैली निकालकर तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया। तहसील दिवस के अवसर पर ग्रामीणों ने एसडीएम से मुलाकात कर सड़क चौड़ीकरण कार्य की तिथि जल्द घोषित करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि सारा रोड लंबे समय से संकरा होने के कारण क्षेत्र में लगातार जाम की समस्या बनी रहती है। सड़क से ट्रैक्टर-ट्रॉली, गन्ने से भरे वाहन और अन्य भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे आए दिन विवाद और आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि अगले महीने शुगर मिल का संचालन शुरू होने वाला है, जिसके बाद गन्ने से लदी ट्रालियां की आवाजाही बढ़ जाएगी और जाम की समस्या और गंभीर हो जाएगी। शनिवार को निकाली गई ट्रैक्टर रैली में बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण और स्थानीय लोग शामिल हुए। रैली गांव सारा से शुरू होकर तहसील परिसर पहुंची, जहां ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों की प्रमुख मांग थी कि प्रशासन सड़क चौड़ीकरण कार्य शुरू करने की एक निश्चित तिथि घोषित हो।

रालोद सहकारिता प्रकोष्ठ का आभास त्यागी को क्षेत्रीय महासचिव व हाजी तोहिद आलम को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। राष्ट्रीय लोकदल के जिला कार्यालय पर राष्ट्रीय लोकदल की एक बैठक हुई। जिसमें सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी व सहकारिता प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकुमार चेयरमैन ने आभास त्यागी को क्षेत्रीय महासचिव व हाजी तोहिद आलम को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र देकर विधिवत घोषणा की । कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी तेजपाल सिंह ने की व कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक अरुण चौधरी भुल्लन ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या मे लोग मौजूद रहे । प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी व राष्ट्रीय लोक दल के संगठन को मजबूत करने की बात कही और कहा कि रालोद में ही सभी का हित है। हमें उम्मीद है कि दोनों पदाधिकारी पूरी मेहनत और निष्ठा के साथ पार्टी में काम करेंगे वहीं क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकुमार चेयरमैन ने कहा आगामी विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए यह नियुक्तियां की गई है।

टीम ऑलरेडी के संयोजक अमरीश त्यागी ने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के नेतृत्व में गठित हुई टीम आर एल डी के बारे में बताया अमरीश त्यागी ने बताया कि अभी तक टीम आरएलडी की 17 जिलों में कमेटी तैयार हो चुकी है । जो प्रत्येक गांव और प्रत्येक वार्ड में अपने पदाधिकारी नियुक्त करेंगे और संगठन को मजबूत करेंगे। पूर्व प्रत्याशी अजय पाल प्रमुख ने जयंत चौधरी के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए आगामी 2027 चुनाव में सभी कार्यकताओं को अभी है जुड़ने का आवाहन किया। इस मौके पर चौधरी तेजपाल सिंह , चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी , रामकुमार चेयरमैन , अमरीश त्यागी , अजय पाल प्रमुख, हाजी तोहिद आलम, आभाष त्यागी , मनिंदर बिल्ला,सनी त्यागी आदि लोग उपस्थित रहे ।

हाउस टैक्स की बढ़ी दरों पर व्यापारियों का गुस्सा, बोले- पुरानी दरें लागू करो वरना बढ़ेगा आंदोलन

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। हाउस टैक्स की नई दरों को लेकर व्यापारियों का आक्रोश एक बार फिर सामने आया है। महानगर उद्योग व्यापार मंडल के नेतृत्व में व्यापारियों ने बढ़ी हुई हाउस टैक्स दरों के विरोध में प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर नई दरों को तत्काल निरस्त करने की मांग की। व्यापारियों का आरोप है कि गाजियाबाद में नगर निगम द्वारा लागू की गई नई दरों से व्यावसायिक संपत्तियों पर कर का बोझ काफी बढ़ गया है। कुछ मामलों में करीब 300 प्रतिशत तक बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू किए जाने से व्यापारी वर्ग में भारी नाराजगी है। मंडल के अध्यक्ष गोपीचंद और महानगर महामंत्री अशोक चावला ने कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में अभी भी हाउस टैक्स पुरानी दरों के आधार पर लिया जा रहा है, जबकि गाजियाबाद में नई दरों को लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि केवल आवासीय संपत्तियों के कर में आंशिक कमी कर राहत देने की औपचारिकता की गई है, जबकि व्यावसायिक संपत्तियों पर बढ़ाए गए कर में किसी प्रकार की राहत नहीं दी गई है। इससे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम की नई हाउस टैक्स व्यवस्था से कई संपत्तियों पर कर में भारी वृद्धि हुई है। उनका आरोप है कि करीब 300 प्रतिशत तक बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू किए जाने से व्यापारी वर्ग की परेशानी बढ़ गई है। पहले से विभिन्न आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे व्यापारियों के लिए इतनी बड़ी कर वृद्धि अतिरिक्त बोझ साबित हो रही है। महानगर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों की समस्या को देखते हुए हाउस टैक्स की पुरानी दरों को ही आधार बनाया जाना चाहिए। इसमें आवश्यकता के अनुसार 10 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि की जा सकती है, लेकिन अचानक अत्यधिक बढ़ोतरी आम जनता और व्यापारियों दोनों के लिए परेशानी पैदा कर रही है। व्यापारियों ने कहा कि हाउस टैक्स की बढ़ी दरों के विरोध में पहले भी आंदोलन किया गया था। नगर निगम की बोर्ड बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा इस प्रस्ताव को निरस्त किए जाने की बात भी व्यापारियों ने कही। इसके बावजूद निगम स्तर पर इस निर्णय की अनदेखी करते हुए बढ़ी हुई दरों को लागू किया जाना चिंता का विषय है।

गांव कलछीना के किशोर की हत्या पर सपा नेताओं ने परिजनों को दी सांत्वना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव कलछीना के एक किशोर की दिल्ली में हुई हत्या को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और उन्हें ढांढस बंधाया तथा न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कलछीना निवासी मोहम्मद शाद (13 वर्ष), पुत्र श्री शम्मी की दिल्ली के उस्मानपुर क्षेत्र में अज्ञात हमलावरों द्वारा गत दिवस चाकू मारकर हत्या कर दी।इस घटना की सूचना मिलते ही समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने गांव कलछीना पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की, उन्हें ढांढस बंधाया तथा न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान गिरीश मथुरिया प्रदेश महासचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने कहा कि एक 13 वर्षीय मासूम की निर्मम हत्या बेहद दुखद और निंदनीय है। प्रशासन को इस मामले का शीघ्र खुलासा कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में कानून का विश्वास बना रहे। कृष्णा रुहेला प्रदेश कार्यकारी सदस्य समाजवादी पार्टी ने कहा कि, पीड़ित परिवार इस कठिन समय में अकेला नहीं है। समाजवादी पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है। हम सरकार और प्रशासन से मांग करते हैं कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस मौके पर गिरीश मथुरिया सैन प्रदेश महासचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, कृष्णा रुहेला प्रदेश कार्यकारी सदस्य,बॉबी सैन जिला उपाध्यक्ष,फिरोज चौहान राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक सभा, हाजी दिलशाद, वसीम, इरफान, मुल्लाजी शराफत, भूरे, तरीफ अली, गुल्लू, मास्टर हामिद सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन, 'मिनी इंडिया' बनी राज्यों की प्रदर्शनी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आदर्श जनता इंटर कॉलेज, फरीदनगर में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। अंतिम दिवस पर विद्यार्थियों ने 'अखंड भारत झ विकसित भारत' की थीम पर सात राज्यों की आकर्षक सांस्कृतिक प्रदर्शनी प्रस्तुत की, जिसमें प्रत्येक राज्य की संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, खान-पान, लोककला एवं विशेषताओं का जीवंत प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों के लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, सेवा-भाव तथा सर्वाइवल स्किल्स का विकास करना था। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सहयोग की भावना का उल्लेखनीय विकास देखने को मिला। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व प्रबंधक महेश सिंघल ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए पूरे आयोजन को 'मिनी इंडिया' की संज्ञा दी तथा स्काउट-गाइड विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए 2100 की नकद पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य शेखर कौशिक, स्काउट मास्टर कन्हैयालाल श्रीवास्तव, गाइड कैप्टन श्रीमती रेनू सिंह सहित विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। शिविर का संचालन जिला मुख्यालय से पधारे राष्ट्रपति पदक विजेता स्काउट प्रशिक्षक राजदेव यादव के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर विद्यालय परिवार ने उनका आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण शिविर आयोजित कराने का आग्रह किया।

भगवा वेश के राजनीतिक इस्तेमाल पर भड़का आक्रोश, महासभा ने पप्पू यादव के प्रदर्शन की निंदा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संसद परिसर के बाहर सांसद पप्पू यादव द्वारा साधु के वेश और भगवा वस्त्र में किए गए प्रदर्शन को लेकर शनिवार को विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा ने कड़ी आपत्ति जताई है। महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। महासभा ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोध के लिए साधु-संतों के स्वरूप और भगवा वस्त्र का इस्तेमाल सनातन परंपरा तथा संत समाज की गरिमा के अनुरूप नहीं है। संगठन ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सक्षम स्तर से उचित कार्रवाई की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान महासभा के कार्यकताओं ने सांसद पप्पू यादव के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकताओं की ओर से उनका प्रतीकात्मक पुतला फूंकने का प्रयास किया गया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने पुतला नहीं फूंकने दिया। इसके बाद कार्यकताओं ने धरना देकर अपना विरोध जारी रखा। बाद में सिटी मजिस्ट्रेट स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और महासभा की ओर से सौंपा गया ज्ञापन लिया। सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि भगवा वस्त्र भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, त्याग, तपस्या, सेवा और राष्ट्रहित की भावना का प्रतीक माना जाता है। सदियों से साधु-संत इसी वेश में समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने के साथ धर्म और संस्कृति के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक विरोध के लिए किसी धार्मिक परंपरा, संत स्वरूप या धार्मिक प्रतीक का ऐसा उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, जिससे लोगों की आस्था और भावनाएं प्रभावित हों। उन्होंने कहा कि धार्मिक वेशभूषा किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति की राजनीतिक अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं बननी चाहिए। सभा के बाद महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए सांसद पप्पू यादव का प्रतीकात्मक पुतला दहन करने का प्रयास किया। पुलिस ने मौके पर हस्तक्षेप करते हुए पुतला फूंकने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद कार्यकताओं ने धरना देकर अपना विरोध जारी रखा और सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति तथा संत परंपरा के सम्मान की मांग उठाई। धरने की सूचना के बाद सिटी मजिस्ट्रेट धरना स्थल पर पहुंचे।

प्राइवेट स्कूलों में किताबों की मनमानी को लेकर के कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील मे सम्पूर्ण समाधान दिवस मे शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन और और पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा के नेतृत्व कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौप कर कार्यवाही की मांग की। शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता तहसील गेट पर इकट्ठा होकर नारेबाजी करते हुए तहसील में हो संपूर्ण समाधान दिवस में धरने पर बैठ गए और तहसील में उप जिलाधिकारी कोमल पवार को ज्ञापन सौंप कर मांग की कि तहसील मोदीनगर क्षेत्र में संचालित सभी वित्तविहीन व वित्तपोषित सरकारी और सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों में नर्सरी से कक्षा 12 तक प्राइवेट पब्लिकेशन की महंगी किताबें जबरन थोपी जा रही है कुछ स्कूल पूरी तरह प्राइवेट किताबें लगते हैं जबकि अन्य में कुछ एनसीईआरटी और बाकी प्राइवेट किताबें लग रही हैं। उत्तर प्रदेश के वित्तविहीन व वित्तपोषित स्कूल भी एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम की अनदेखी कर रहे हैं कमीशन खोरी के लालच के कारण छात्रों के अभिभावकों का शोषण हो रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से पंडित सुनील शर्मा पीसीएस सदस्य उत्तर प्रदेश, शहर अध्यक्ष मोदीनगर बृजेश कुमार सेन चांद वीर चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर , ओमपाल शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, कामेश शर्मा ,हरीश खुल्लर (लडड़ा), संजय शर्मा, आदेश त्यागी, पंडित सुरेश दोसा, वकील अहमद, ममता शर्मा, सुखबीर, सतपाल सिंह, सेंसेरपाल, सोनम, समसा खान, रानी, राजकुमार त्यागी एडवोकेट, सुधीर कुमार, ज्ञानेश्वर शर्मा एडवोकेट और अनस सैफी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा पर सख्त एक्शनः ब्लैक स्पॉट सुधरेंगे, नियम तोड़ने वाले स्कूल वाहनों पर होगी कार्रवाई

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर(वेलकम इंडिया)। जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सांसद डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव, परी चौक सहित प्रमुख चौराहों पर जाम तथा एयरपोर्ट मार्ग पर बढ़ते यातायात को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

सांसद ने अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट्स का वैज्ञानिक तरीके से सुधार कराने, रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड, रोड मार्किंग, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा बैरियर लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का नियमित विश्लेषण कर स्थायी समाधान लागू करने पर भी जोर दिया।

बैठक में स्कूल वाहनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी वाहनों की विशेष फिटनेस जांच, जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र तथा प्रशिक्षित चालकों की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले स्कूलों और वाहन संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान, ट्रैफिक पार्क निर्माण और अधूरे सड़क कार्यों को जल्द पूरा कराने के सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने सभी निदेशों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का भरोसा दिलाया।

27 वां रक्षा-सूत्र अभियान- 2026

मानवता की ओर एक कदम ट्रस्ट और एस.डी. ग्लोबल स्कूल शताब्दीपुरम के तत्वाधान द्वारा रक्षा -सूत्र अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोविंदपुरम। गोविंदपुरम शताब्दीपुरम स्थित एस.डी. ग्लोबल स्कूल एवं मानवता की ओर एक कदम ट्रस्ट रजि. के तत्वाधान में 27 वां रक्षा - सूत्र अभियान भव्य रूप में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर अमित चौहान और सामाजिक कार्यों में अग्रणी सामाजिक संस्था- मानवता की ओर एक कदम ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. राजीव त्यागी 'राज'तुलसी-ऋषि और संस्था के पदाधिकारियों की टीम द्वारा बच्चों के साथ मिलकर रक्षा- सूत्र बांधकर पौधों के संरक्षण, पेड़ों की रक्षा और अधिक मात्रा में छायादार फलदार पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी चंद्रर भारद्वाज हरित भारत अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुशील सक्सेना हरित भारत अभियान के महानगर अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बबीता त्यागी महलवाला, एस.डी. ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल प्रीति चौहान, डायरेक्टर अमित चौहान, मैनेजर महक चौहान, अध्यापिका खुशी, मोहनी, नीलम भारती ,पायल स्कूल की अध्यापिकाओं व पांचवी क्लास, छठी क्लास, सातवीं क्लास, आठवीं क्लास के बच्चों ने मिलकर पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर शपथ ली। मानवता की ओर एक कदम ट्रस्ट की वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्य, बबीता त्यागी महलवाला ने जामुन का पौधा लगाकर अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी आर. एस. तिवारी, अशोक सिक्का, और मोहम्मद कुरेशी समाजवादी पार्टी के नेता ने अमरूद का पौधा लगाया।

कॉमनवेल्थ में स्वर्णिम विजयः गाजियाबाद की महिला दरोगा अस्मिता डे ने जूडो में रच दिया इतिहास

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिला 48 किलोग्राम जूडो स्पर्धा में गाजियाबाद में नियुक्त उत्तर प्रदेश पुलिस की उपनिरीक्षक अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ वह कॉमनवेल्थ खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अस्मिता डे की सफलता उत्तर प्रदेश पुलिस, प्रदेश और पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह स्वर्ण पदक अनुशासन, कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है, जो एक आदर्श खिलाड़ी और समर्पित पुलिस अधिकारी की पहचान है।

डीजीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की नीति और खेल कोटे के माध्यम से खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश पुलिस में अवसर देने की पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।

इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की नई प्रेरणा मिल रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार ने उपनिरीक्षक अस्मिता डे को इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी देश के लिए ऐसे ही स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित करने की कामना की।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनता की गुहारः 197 शिकायतें पहुंचीं, सिर्फ 15 का मौके पर निस्तारण

मोदीनगर

लोनी

सदर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन में आयोजित समाधान दिवस के दौरान कुल 197 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 15 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। सदर तहसील में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में 55 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 8 का तत्काल निस्तारण किया गया।

लोनी तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में 66 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 5 का समाधान हुआ। वहीं मोदीनगर तहसील में एसडीएम कोमल पंवार की अध्यक्षता में 76 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 2 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया।

समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, नगर निकाय, स्वास्थ्य समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने लंबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त का सख्त संदेशः हर शिकायत का होगा समयबद्ध समाधान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं।

उन्होंने एक-एक शिकायत पर गंभीरता से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन को त्वरित न्याय और बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई के दौरान आए प्रत्येक प्रकरण पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देते हुए अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी गई।

गोवंश की सेवा के साथ आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम, तलहेटा गो-आश्रय स्थल का होगा कायाकल्प

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विकासखंड भोजपुर स्थित वृहद गो-संरक्षण केंद्र तलहेटा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ के निर्देशन में संयुक्त टीम ने गो-आश्रय स्थल का निरीक्षण कर हरे चारे के उत्पादन, भूमि की उपलब्धता और भविष्य की विकास योजनाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत तलहेटा की विभिन्न खसरा संख्या की भूमि का सत्यापन किया गया।

अधिकारियों ने निर्देश दिए कि भूमि का चिन्हांकन पूरा होते ही गोवंश के लिए हरे चारे का उत्पादन शुरू कराया जाए। साथ ही गो-आश्रय स्थल पर अतिरिक्त शेडों के निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है, जिससे गोवंश के रखरखाव की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। प्रशासन की योजना के तहत सीएसआर फंड से पशु आहार संयंत्र, गोबर गैस संयंत्र तथा गोबर से पेंट बनाने के संयंत्र भी स्थापित किए जाएंगे।

इन प्रयासों से गो-आश्रय स्थल में गुणवत्तापूर्ण चारे की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित होगी और इसे आत्मनिर्भर एवं आधुनिक गो-संरक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

किसान यूनियन लोक शक्ति ने बढ़ाया संगठन, नदीम खान बने मुरादनगर विधानसभा अध्यक्ष

कपिल चौहान

मुरादनगर (वेलकम इंडिया)। किसान यूनियन लोक शक्ति ने संगठन विस्तार अभियान के तहत नदीम खान को मुरादनगर विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके मनोनयन पर संगठन के पश्चिम प्रदेश प्रभारी मौ. शाहनवाज उर्फ राहुल भैया ने बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मुरादनगर क्षेत्र में संगठन और अधिक मजबूत होगा। मौ. शाहनवाज उर्फ राहुल भैया ने कहा कि संगठन किसानों, मजदूरों और आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के साथ अपनी नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों की आवाज को मजबूत करना और संगठन का जमीनी स्तर पर विस्तार करना उनकी प्राथमिकता है। नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष नदीम खान ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर कार्यकताओं ने भी खुशी व्यक्त करते हुए किसान यूनियन लोक शक्ति को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। संगठन का मानना है कि इस नियुक्ति से मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र में संगठन की सक्रियता और जनाधार को नई मजबूती मिलेगी।

सड़क हादसे में पलटा ऑटो, नीचे दबे महिला-पुरुष को यातायात पुलिस ने सुरक्षित निकाला

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मोहननगर से हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर की ओर जा रहे ऑटो की शनिवार को कटोरी मिल के समीप इनोवा कार से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो पलट गया और उसमें सवार एक महिला व पुरुष उसके नीचे दबकर घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस गाजियाबाद की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला और उपचार के लिए नरेन्द्र मोहन अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

यातायात पुलिस की त्वरित कार्रवाई से घायलों को समय पर इलाज मिल सका। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और मानवीय पहल की सराहना की।

घर में प्लंबिंग करने आया, मंदिर का सामान चुराकर भागा; शालीमार गार्डन पुलिस ने दबोचा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने घर में प्लंबिंग का काम करने के दौरान मंदिर से पीतल की मूर्ति और अन्य सामान चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक पीतल की मूर्ति और दो छोटे कलश बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, शालीमार गार्डन निवासी अजय आनंद की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि घर में प्लंबर का काम करने आए रिजवान ने मौका पाकर मंदिर से एक पीतल की मूर्ति, चार तांबे के लोटे, पांच मुखी दीपक तथा अन्य तांबे के बर्तन चोरी कर लिए। मामले की जांच के दौरान थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने 31 जुलाई को 150 फुटा रोड स्थित आपकी रसोई के पास से आरोपी रिजवान पुत्र डब्बू, निवासी शहीदनगर, थाना साहिबाबाद को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से चोरी की एक पीतल की मूर्ति और दो छोटे कलश बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि चोरी के अन्य सामान की बरामदगी के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

कांवड़ यात्रा पर ट्रैफिक पुलिस की पैनी नजर, कादराबाद बॉर्डर पर एडीसीपी का औचक निरीक्षण

सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर पुलिसकर्मियों को दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री वरुण कुमार सिंह ने मेरठ-गाजियाबाद बॉर्डर स्थित कादराबाद चेक पॉइंट का निरीक्षण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उन्हें पूरी सतर्कता, अनुशासन तथा जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों और आम नागरिकों के साथ विनम्र एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखते हुए यातायात को निर्बाध बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। एडीसीपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में जाम या अव्यवस्था न होने पाए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिसकर्मी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराएं।

हरनंदीपुरम को मिली 943 करोड़ की 'विकास रफ्तार'

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की महत्वाकांक्षी हरनंदीपुरम योजना को बड़ी आर्थिक मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार/नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 943.37 करोड़ की अवशेष सीड कैपिटल स्वीकृत कर दी है। इस मंजूरी के बाद योजना के भूमि अर्जन और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। करीब 501 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित होने वाली हरनंदीपुरम टाउनशिप जीडीए की सबसे बड़ी और दूरदर्शी आवासीय परियोजनाओं में शामिल है। योजना में आठ गांवों—मथुरापुर, शमशेर, चम्पतनगर, भनेड़ा खुर्द, नगला फिरोज मोहनपुर, भोवापुर, शाहपुर निज मोर्टा और मोर्टा—को शामिल किया गया है। परियोजना का पहला चरण करीब 48 हेक्टेयर भूमि पर शुरू करने की तैयारी है।

स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित होगी टाउनशिप

हरनंदीपुरम में आधुनिक सड़क नेटवर्क, जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत व्यवस्था, वर्षा जल संचयन, हरित क्षेत्र और सामुदायिक सुविधाओं के साथ बेहतर शहरी ढांचा तैयार किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को ध्यान में रखते हुए परियोजना को विकसित किया जाएगा।

एनसीआर में बढ़ेगी आवास और निवेश की संभावनाएं

राजनगर एक्सटेंशन के निकट स्थित हरनंदीपुरम को नमो भारत कॉरिडोर, मेट्रो, एक्सप्रेसवे और प्रस्तावित आउटर रिंग रोड जैसी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण यह परियोजना गाजियाबाद के भविष्य के शहरी विस्तार में अहम भूमिका निभाएगी। जीडीए के अनुसार, शासन से मिली यह वित्तीय स्वीकृति हरनंदीपुरम के विकास कार्यों को तेज करेगी। परियोजना पूरी होने के बाद हजारों परिवारों को आधुनिक आवास, बेहतर नागरिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण जीवन–परिवेश उपलब्ध होगा।